RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 253 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 13-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा सरकार में किसान उपेक्षा का शिकार : अखिलेश यादव

6 विदेशों में बुजुर्गों की स्थिति दयनीय

7 फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है : पूजा हेगड़े

फर्स्ट टेक

नाइजीरियाई सेना द्वारा गलती से हुए हवाई हमलें में करीब 100 लोगों की मौत

अबूजा/एपी। पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजीरिया की वायु सेना द्वारा देश के पूर्वोत्तर हिस्से में जिहादी विद्रोहियों को निशाना बनाकर किये हमले की जद में एक बाजार के आने से कम से कम 100 लोग मारे गए जबकि कई अन्य घायल हो गए। एक मानवाधिकार समूह और स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि हवाई हमले की चपेट में एक बाजार आ गया है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि उसने जीवित बचे लोगों से पुष्टि की है कि बोर्नो राज्य की सीमा के पास योबे राज्य के एक गांव पर हुए हवाई हमले में कम से कम 100 लोग मारे गए।

झारखंडः आबकारी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक, 164 लोग गिरफ्तार

रांची/भाषा। झारखंड आबकारी पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल हुए कुल 159 अभ्यर्थियों और पांच अन्य लोगों को रविवार को पेपर लीक के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांचों मुख्य आरोपी प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं में शामिल एक गिरोह के सदस्य हैं। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने कहा कि रांची के एसएसपी को सूचना मिली थी कि तमाड़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत रड़गांव में एक इमारत में बड़ी संख्या में छात्र इकट्ठा हुए हैं, जिसके बाद 159 से अधिक छात्रों को गिरफ्तार किया गया।

रूस ने यूक्रेन पर ईस्टर युद्धविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया

मॉस्को/भाषा। रूस ने यूक्रेन पर रूसी सेना के ठिकानों को निशाना बनाकर 32 घंटे के ईस्टर युद्धविराम का उल्लंघन करने का रविवार को आरोप लगाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धविराम के शुरुआती 16 घंटों के दौरान यूक्रेनी सेना द्वारा युद्धविराम के दो हजार मामले सामने आए। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'मैक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ईस्टर के अवसर पर युद्धविराम की घोषणा होने के बावजूद, यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने कल रात पोक्रोव्स्कोये क्षेत्र से रूसी सैनिकों के ठिकानों पर तीन बार हमला किया। पोस्ट में कहा गया है कि शनिवार रात को हुए युद्धविराम उल्लंघन में गाई और देनेप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के ओत्रादनोये इलाकों को दो बार निशाना बनाया गया। मंत्रालय ने कहा कि सभी हमलों को नाकाम कर दिया गया।

महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने का समय आ गया है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने का समय आ गया है और 2029 के लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे एकजुट होकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन पारित करें।

संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र से पहले लोकसभा और राज्यसभा के सदन के नेताओं को लिखे पत्र में मोदी ने यह भी कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाओं को प्रगति करने, निर्णय लेने और सबसे महत्वपूर्ण बात, नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए यह आवश्यक है कि महिलाएं इस यात्रा में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा, ''विस्तृत विचार-विमर्श के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश भर में उसके सच्चे स्वरूप में लागू करने का समय आ गया है।''

प्रधानमंत्री ने 11 अप्रैल को लिखे अपने पत्र में कहा, ''यह अनिवार्य है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाएं।''

मोदी ने कहा कि 2029 में महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने से भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा, साथ ही शासन में अधिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा, ''मैं यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं ताकि हम सभी एक साथ मिलकर इस संशोधन को पारित करने के लिए एकजुट हो सकें।''

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आमतौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के रूप में जाना जाता है।

संसद के बजट सत्र की अवधि बढ़ा दी गई है और सदन का एक विशेष तीन दिवसीय सत्र 16 से 18 अप्रैल तक बुलाया गया है।

महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों के पारित हो जाने से लोकसभा में सीट की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी जिनमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान 2023 में संविधान में संशोधन करके लाया गया था।

हालांकि महिला आरक्षण 2027 की जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू हो पाता।

- प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे एकजुट होकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन पारित करें।
- प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में कहा, 2029 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाएं।

संसद में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कम करने की कोशिश कर रहा केंद्र : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनाथपुरम/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर दक्षिण भारत के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया और दावा किया कि सरकार ने प्रस्तावित 'महिला आरक्षण' को बहाना बनाकर तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को संसद में कम करने का प्रयास किया है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु सहित उन राज्यों को दंडित करने का प्रयास कर रही है, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया और देश के विकास में योगदान दिया।

यहां परमाकुडी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि देश की सभी लोकतांत्रिक ताकतें इस प्रस्ताव का विरोध करेंगी। उन्होंने सवाल किया, क्या अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम) प्रमुख पलानीस्वामी में इस अन्याय का विरोध करने और सवाल उठाने का साहस है?

उन्होंने मछुआरों के कल्याण पर कहा कि समुद्री शैवाल की खेती को प्रोत्साहित किया जाएगा और श्रीलंका का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से कच्चातीवू को वापस लेने का आग्रह किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि द्रविड़ मॉडल की अगली सरकार बनने के बाद महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा के वास्ते आरक्षित बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लगाया आरोप

संविधान को खत्म करना ही आरएसएस-भाजपा का मुख्य उद्देश्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि उनका मुख्य उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।

गांधी ने ये टिप्पणियां 14 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर की जयंती से पहले यहां 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन' मैराथन को हरी झंडी दिखाने से पहले कीं। उन्होंने मंडी हाउस से मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''अंबेडकर जी का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। आज जो लोग आरएसएस-भाजपा की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''वे (आरएसएस-भाजपा) चाहे जो करें, वे अंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने सिर भी झुकाते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य संविधान को खत्म करना है। हमारा उद्देश्य संविधान की रक्षा करना और उसे मजबूत करना है।''

नीले रंग की टी-शर्ट पहने राहुल ने कहा, ''हम चाहते हैं कि संविधान की भावना और उसकी रक्षा का संदेश देश के हर कोने तक पहुंचे और इसी वजह से हमने 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन' का आयोजन किया है।''

बाद में फेसबुक पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने मंडी हाउस से कांग्रेस की अनुसूचित जाति (एसटी) इकाई द्वारा आयोजित मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

डॉ. रामदास सेलम में चुनावी रैली के दौरान बेहोश हुए

सेलम/भाषा। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस. रामदास रविवार शाम को सेलम पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के कुछ ही समय बाद बेहोश हो गए और उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

भीषण गर्मी के बीच अपने भाषण के दौरान थके हुए प्रतीत हो रहे अनुभवी नेता मंच छोड़ते वक्त गिर पड़े। पार्टी कार्यकर्ता एवं सुरक्षाकर्मी उन्हें उनके वाहन तक ले गये। अपने संबोधन के दौरान, 86-वर्षीय रामदास ने मतदाताओं से पार्टी के उम्मीदवार अरुल का समर्थन करने की भावुक अपील की और आगामी चुनावों को पार्टी की गरिमा की लड़ाई के रूप में वर्णित किया। उन्होंने राजनीतिक दलबदलुओं पर तीखा हमला करते हुए उन्हें देशद्रोही करार दिया और कहा कि उन्होंने 50 साल के संघर्ष की बजाय व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता दी। रामदास ने दावा किया कि भले ही पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिह्न 'आम' गायब हो, लेकिन उनका चेहरा कार्यकर्ताओं के लिए प्राथमिक पहचान बना हुआ है।

दिग्गज गायिका आशा भोसले की आवाज हमेशा के लिए खामोश

- आशा भोसले को शनिवार शाम सीने में संक्रमण और कमजोरी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अपनी अनूठी आवाज से हिंदी पार्श्व गायन में अलग मुकाम हासिल करने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। उन्होंने अपनी बहन तथा महान गायिका लता मंगेशकर की छाया में रहकर अपनी अलग पहचान बनाई थी।

भोसले को शनिवार शाम सीने में संक्रमण और कमजोरी के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने यह जानकारी दी थी।

भोसले ने परंपराओं को तोड़ते हुए सिनेमा में महिलाओं की आवाज को गहराई दी, चाहे वह 'हम इंतजार करेंगे' में विरह से भरी मीना कुमारी हों या 'पिया तू अब तो आजा' में बेबाक और मदहोश हेलेन हों। उनके बेटे आनंद ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''लोग कल पूर्वाह्न 11 बजे लोअर परेल स्थित कासा ग्रांदे में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सकते हैं, जहां वह रहती थीं। उनका अंतिम संस्कार कल शाम चार बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दशकों तक विस्तारित भोसले की असाधारण संगीतमय यात्रा ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक, आशा भोसले जी के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। उनके साथ हुई बातचीत की यादें मेरे दिल में हमेशा बसी रहेंगी। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

संगीत जगत में आया खालीपन : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को प्रख्यात पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इससे संगीत जगत में खालीपन आ गया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रतिष्ठित गायिका के रूप में उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक युग को परिभाषित किया। राष्ट्रपति ने कहा, ''आशा भोसले जी के निधन से संगीत जगत में खालीपन आ गया है। प्रख्यात गायिका के रूप में उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक युग को परिभाषित किया।''

भारत ने भारतीय क्षेत्र के लिए चीन के दिए 'मनगढ़ंत' नामों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने रविवार को कहा कि चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र को ''काल्पनिक नाम'' देना और ''निराधार विमर्श'' गढ़ना वास्तविकता को नहीं बदल सकता, लेकिन इससे द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों पर असर जरूर पड़ सकता है।

नई दिल्ली की तीखी प्रतिक्रिया बीजिंग द्वारा अक्साई चिन में एक तीसरे नए काउंटी (प्रशासनिक इकाई) की स्थापना की पृष्ठभूमि में आई है। भारत अक्साई चिन को अपना संप्रभु क्षेत्र मानता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत, चीन द्वारा भारत की भूमि के अंतर्गत आने वाले स्थानों को मनगढ़ंत नाम देने के किसी भी शरारती प्रयास को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। उन्होंने कहा, चीन द्वारा झूठे दावे पेश करने और निराधार विमर्श गढ़ने के ऐसे प्रयास इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकते कि अरुणाचल प्रदेश सहित ये स्थान और क्षेत्र भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे। जायसवाल ने कहा कि चीनी पक्ष के ऐसे प्रयास भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने की कवायद से ध्यान भटकाती हैं। उन्होंने कहा, चीन को ऐसे कार्यों से बचना चाहिए, जो संबंधों में नकारात्मकता पैदा करते हैं और बेहतर समझ बनाने के प्रयासों को कमजोर करते हैं।

21 घंटे की चर्चा से नहीं निकला कोई नतीजा

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता विफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में हुई 21 घंटे की ऐतिहासिक वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता नहीं हो सका, जिससे दो सप्ताह के लिए लागू नाजुक युद्धविराम का भविष्य अब अधर में है। दोनों पक्ष वार्ता विफल होने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश कर रहे हैं।

इस्लामाबाद में हुई वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका द्वारा अपना 'अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव' प्रस्तुत किए जाने के बावजूद ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्ति के लिए वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया। वेंस ने कहा कि शांति समझौता नहीं होने का मुख्य कारण तेहरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम को नहीं छोड़ना था।

ईरानी दल के प्रमुख और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि यह अमेरिका को तय करना है कि वह 'हमारा विश्वास जीत सकता है या नहीं।'

ईरानी विदेश मंत्रालय ने विस्तार से बताए बिना कहा कि अमेरिकी पक्ष ने 'अत्यधिक' और 'अवैध मांगें' रखीं।

समझौता नहीं होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोले जाने की संभावना धूमिल हो गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू करेगा या नहीं।

- अमेरिका द्वारा अपना 'अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव' प्रस्तुत किए जाने के बावजूद ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्ति के लिए वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया। - अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल
- ईरान ने वार्ता की विफलता के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया।

13-04-2026 सूर्यास्त 6:32 बजे	14-04-2026 सूर्योदय 6:07 बजे

BSE	NSE
77,550.25 (+918.60)	24,050.60 (+275.50)

सोना	चांदी
15,737 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	251,900 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फैक मिडिया

सबसे घातक सोशल मिडिया,
जो बढ़ा रहा अपराध रोज।
कुछ भी कर दे अपराध कोई ,
कर नहीं पा रहे उसे खोज।
हो रहे भ्रमित पढ़ फेक न्यूज,
कर रहे धूर्त सब गिद्ध भोज।
वैमनस्य घृणा आतंक द्वैष,
फैलाने वाले करे मौज।।

सनातन धर्म का 'अपमान' करने को लेकर

स्टालिन, उदयनिधि को दंडित करेंगे मदुरै के लोग : नितिन नवीन

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि को सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति के बारे में कथित टिप्पणियों को लेकर मदुरै के लोग ''दंडित'' करेंगे।

नवीन ने यहां एक रोड शो के दौरान कहा कि जनता और पुरोहित समुदाय यह सुनिश्चित करेंगे कि इन टिप्पणियों के लिए सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को मतदाता दंडित करें।

नवीन ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''जिस तरह स्टालिन और उनके बेटे ने सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति का अपमान किया है, जनता और साधु-संत यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें मतदाताओं द्वारा दंडित किया जाए।''

उन्होंने जनता के मिजाज में आए महत्वपूर्ण बदलाव का हवाला देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता से बाहर हो जाएगी और राजग सरकार का गठन होगा।

भाजपा अध्यक्ष ने मादक पदार्थों के बढ़ते खतरे पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की और सत्तारूढ़ पार्टी पर इसमें संलिप्त रहने का आरोप लगाया।

जैन धर्म में विहारचर्या साधु का महत्वपूर्ण अंग है : साध्वी संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वी संयमलताजी विहार करते हुए जिगनी स्थित एक श्रद्धालु के प्रतिष्ठान पहुंचीं जहां उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी श्री संयमलताजी ने कहा कि जैन धर्म में विहारचर्या साधु का महत्वपूर्ण अंग है। ज्ञान, दर्शन, चरित्र की आराधना के साथ विहार अहिंसा की दृष्टि से श्रेष्ठ है। विहार के लाभ अनेक होते हैं, शारीरिक, मानसिक, भावात्मक एवं स्वास्थ्य अच्छा होता है। युवा पीढ़ी विहार सेवा करती है तो साधु संतों की पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। ज्ञान का विकास भी होता है। जिगनी के युवा, महिला एवं बच्चों में धर्म के प्रति लगाव एवं उत्साह है, ऐसे ही श्रावकों में आध्यात्मिकता बढ़ती रहे यही शुभकामना। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी विहार जैसे कार्य में अपनी अच्छी सहभागिता दे रही है ।विहार हमारे ग्रह नक्षत्र को प्रभावित करता है और सारे ग्रह नक्षत्र अच्छे एवं शुभ फल देने वाले बन जाते हैं । कर्म निर्जरा का महान उपक्रम भी है विहार सेवा। कैलाश कोठारी ने साध्वियों का स्वागत किया और कृतज्ञता व्यक्त की।

अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव की तैयारियां में जुटी श्रेयांश पारणा समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति द्वारा वर्षीतप आराधकों के अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव की तैयारियों हेतु पदाधिकारियों की एक बैठक त्रिपुरावासिनी सभागार में संपन्न हुई। चेयरमैन रमेशचंद सियाल ने आगामी अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव आयोजन 20 अप्रैल को पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में किए जाने की जानकारी दी। सहचेयरमैन मीठालाल लोढ़ा ने बताया कि इस अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में 150 स्थानीय वर्षीतप आराधकों सहित भारत के विभिन्न नगरों से मिलाकर लगभग 375 से अधिक तपस्वियों का पारणा संपन्न होगा।

अक्षय तृतीया से एक दिन पूर्व पुष्कर भवन मागड़ी रोड पर शाम को भक्ति संध्या का कार्यक्रम होगा जिसमें चेन्नई के समर्पण भक्ति समूह के श्रेणिक नाहर आदि भजन गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे। समिति के प्रवक्ता जेके महावीरचंद चोरड़िया ने बताया कि इस महोत्सव में जयगच्छीय आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी एवं समणीवृंद का सान्निध्य प्राप्त होगा। बैठक में समारोह की व्यवस्थाओं हेतु सदस्यों को कार्य सौंपे गए। मंगल पाठ द्वारा सभा का समापन हुआ।

भारत में पेटेंट आवेदनों की संख्या 2025-26 में 30.2% बढ़कर 1.43 लाख हुई : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि देश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल के कारण पेटेंट आवेदन दाखिल करने की संख्या 2025-26 में 30.2 प्रतिशत बढ़कर 1,43,729 हो गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या 1,10,375 थी।

उल्लेखनीय है कि पेटेंट दाखिल करने के मामले में भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा देश है। गोयल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''वित्त वर्ष 2025-26 में हमारे पेटेंट आवेदन ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30.2 प्रतिशत की वृद्धि हैं। इसमें से 69 प्रतिशत से अधिक पेटेंट घरेलू स्तर पर दाखिल किए गए हैं, जिनमें तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के नवोन्मेषकों की अग्रणी भूमिका है।''

आवेदनों की संख्या में 2016-17 से लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जब यह संख्या 45,444 थी। इसके बाद यह वित्त वर्ष 2017-28 में 47,894, वित्त वर्ष 2018-19 में 50,660, वित्त वर्ष 2019-20 में 56,268, वित्त वर्ष 2020-21 में 58,503, वित्त वर्ष 2021-22 में 66,440, वित्त वर्ष 2022-23 में 82,208 और वित्त वर्ष 2023-24 में 92,163 रही।

सरकार ने देश में पेटेंट तंत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जो विशेष रूप से स्टार्टअप, एमएसएमई और शैक्षणिक संस्थानों को लक्षित करते हैं। इन कदमों में स्टार्टअप, छोटी इकाइयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए शुल्क में कटौती, पेटेंट आवेदनों की त्वरित जांच का प्रावधान और भारतीय स्टार्टअप को पेटेंट, ट्रेडमार्क और डिजाइन आवेदनों को दाखिल करने तथा उनकी प्रक्रिया के लिए निःशुल्क सुविधा प्रदान करना शामिल है।

विष्णु देव साय ने 'नक्सल मुक्त' घोषित छत्तीसगढ़ के लिए खाका पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/नई दिल्ली/भाषा। छत्तीसगढ़ को नक्सल-मुक्त घोषित किए जाने के दो सप्ताह बाद राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आंतरिक सुरक्षा अभियानों से हटकर बड़े पैमाने पर ग्रामीण विकास और आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास की ओर निर्णायक बदलाव का संकेत दिया है। मुख्यमंत्री साय (62) की महत्वाकांक्षी योजनाओं में क्षेत्र में कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के अलावा, कभी नक्सली हिंसा के गढ़ के रूप में पहचाने जाने वाले बस्तर को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना भी शामिल है।

हाल ही में नई दिल्ली में 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने दशकों पुराने नक्सलवाद के सफल उन्मूलन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली ''डबल इंजन सरकार'' और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित रणनीतिक समयसीमा को दिया। साय जब 10 वर्ष थे तब उनके पिता का निधन हो गया था। साय ने अपने पिता के निधन के बाद परिवार के भरण-पोषण के लिए अपने प्रारंभिक वर्षों में बगिया गांव में खेतों में काम किया। वह अब इस बात से राहत महसूस करते हैं कि छत्तीसगढ़ आखिरकार नक्सलवाद से मुक्त हो गया है, जो राज्य की प्रगति में बाधा बन रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा, एक समय ऐसा था जब इसको लेकर अनिश्चितता थी कि नक्सलवाद की समस्या का कभी समाधान हो पाएगा या नहीं। लेकिन आज, 'डबल इंजन सरकार' और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प के साथ-साथ हमारे सुरक्षा बलों के साहस के बल पर, हम नक्सल मुक्त राज्य की ओर अग्रसर हुए हैं। साय को इस बात का खेद है कि इस क्षेत्र के लोग दशकों तक विकास से वंचित रहे। उन्होंने कहा, लेकिन अब विकास उन तक पहुंच रहा है और उनका जीवन बेहतर होगा। नक्सल समस्या के फिर से उभरने की आशंकाओं पर मुख्यमंत्री राज्य के परिवर्तन को लेकर आत्मविश्वासी हैं, लेकिन साथ ही सतर्क भी हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा शिविरों की स्थायी मौजूदगी के साथ-साथ अस्पताल और विद्यालयों के आने से एक ''विकास का ढांचा'' तैयार हुआ है।

कम उम्र में ही परिवार की देखभाल करने के बाद, साय अब उसी कर्तव्यनिष्ठा को एक ऐसे राज्य में लागू करते हैं जो दशकों के संघर्ष से उभर रहा है।

अमरावती के विकास के लिए विश्व बैंक ने 34 करोड़ डॉलर जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। विश्व बैंक ने अमरावती राजधानी चरण-1 के विकास के लिए अब तक 34 करोड़ डॉलर जारी किए हैं।

राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से अप्रैल के अंत तक अतिरिक्त 15 करोड़ डॉलर मिलने की संभावना है।

अधिकारी ने कहा, ''अप्रैल में हमें दोनों संस्थाओं (विश्व बैंक और एडीबी) से लगभग 13-15 करोड़ डॉलर और मिलेंगे।'' इस ऋण पर ब्याज दर लगभग 8 से 8.5 प्रतिशत के बीच होगी, जो अंतरराष्ट्रीय दरों के आधार पर घटती-बढ़ती रहेगी।''

विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अमरावती राजधानी चरण-1 के विकास के लिए कुल 160 करोड़ डॉलर (प्रत्येक द्वारा 80 करोड़ डॉलर) देने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, केंद्र सरकार द्वारा घोषित 15,000 करोड़ रुपए की सहायता में से 1,400 करोड़ रुपए की राशि भी जल्द मिल जाएगी।

विश्व बैंक के एक प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''विश्व बैंक ने अप्रैल, 2026 तक 34 करोड़ डॉलर जारी कर दिए हैं। अमरावती एकीकृत शहरी विकास कार्यक्रम को 'परिणाम आधारित रूपरेखा' के तहत लागू किया जा रहा है। इसके तहत धन का वितरण एक निश्चित समय सारणी के बजाय विशिष्ट परिणामों से जुड़ा होता है।''

भविष्य में धन जारी होना भी इन तय लक्ष्यों को पूरा करने पर निर्भर करेगा। इस ऋण के लिए छह साल की छूट अवधि दी गई है और इसकी अंतिम परिपक्वता अवधि 29 वर्ष है। विश्व बैंक के इस ऋण का पुनर्भुगतान 15 जून, 2031 से शुरू होगा।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूरु रोड स्थित कविका कारखाने नागरिक क्षेमा अभिवृद्धि संघ द्वारा नगर देवता अणम्मा देवी एवं सर्कल मारम्मा देवी का उत्सव आयोजित किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गोविंदराज नगर क्षेत्र के विधायक प्रिया कृष्णा एवं विशेष अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों में नोटबुक भी बांटी। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया ।

'हर घर गुरुदेव इकतीसा जाप' में गूंजा गुरु का जयकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा दादा गुरुदेव के चमत्कारी इकतीसा का मासिक पाठ रविवार को आयोजित हुआ। प्रकाश कुमार, शुभम, प्रतीक पोफलिया परिवार के सौजन्य से आयोजित इस पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंडल के अध्यक्ष अरविंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि तृतीय दादा जिनकुशलसूरीजी अपने समय के युगप्रधान महापुरुष थे। इकतीसा पाठ में राजेन्द्र गुलेच्छा, नितेश बोहरा, मनन बोहरा, सुरेश कोठारी ने इकतीसा जाप और गुरुदेव के भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में दादावाड़ी ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, मंडल के उपाध्यक्ष राकेश डाकलिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, कांता पोफलिया के साथ अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

महिला आरक्षण कानून में संशोधनः भाजपा ने कांग्रेस पर अवरोध पैदा करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने में बाधाएं खड़ी कर रही है।

सत्तारूढ़ दल ने ऐसे वक्त हमला किया है जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताया कि परिसीमन और अन्य पहलुओं के विवरण के बिना महिला आरक्षण कानून पर कोई भी सार्थक चर्चा करना ''असंभव'' होगा, और मांग की कि 29 अप्रैल को राज्य चुनावों का मौजूदा दौर समाप्त होने के बाद इस मामले पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। प्रधानमंत्री को लिखे खरगे के पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, ''16, 17 और 18 अप्रैल को संसद में एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिलेगा, जब महिलाओं के सशक्तिकरण और समानता की दिशा में सबसे बड़ा कदम उठाया जाएगा। यह कदम नारी शक्ति वंदन अधिनियम के कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाने के जरिए उठाया जाएगा, जिसे 2023 में संसद द्वारा पारित किया गया था।'' पूनावाला ने एक वीडियो बयान में कहा, ''उस समय भी और अब भी, इस बात पर आम सहमति है कि हमें इस ऐतिहासिक कदम में देरी नहीं करनी चाहिए, जिसमें पहले ही दशकों की देरी हो चुकी है। और हमें इसे तुरंत लागू करना चाहिए ताकि 2029 में होने वाले अगले लोकसभा चुनाव में महिलाओं को उनका उचित हिस्सा मिल सके।'' भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लेकिन, दुर्भाग्य से, 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' जैसे आकर्षक नारे गढ़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए खड़े होने का दावा करने वाली यह पार्टी, सुधार के बजाय अवरोध के पक्ष में खड़ी है। पूनावाला ने कहा, ''उन्हें हमेशा सुधार के गलत पक्ष में देखा जाता है। वे सुधार के पक्ष में नहीं, बल्कि बाधा डालने के पक्ष में हैं। वे चर्चा और विचार-विमर्श के पक्ष में नहीं, बल्कि व्यवधान पैदा करने के पक्ष में हैं। वे आम सहमति के पक्ष में नहीं, बल्कि टकराव के पक्ष में हैं।'' पूनावाला ने आरोप लगाया, ''वे बहाने बनाते हैं लेकिन इस महान सुधार प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनना चाहते।''सरकार ने संसद का बजट सत्र बढ़ा दिया है और 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिवसीय सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जिसे महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है, में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार और उन्हें पारित किए जाने की संभावना है।

विकास, संस्कृति का संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना का मार्गदर्शक सिद्धांत विकास भी, विरासत भी है, जो इस बात पर जोर देता है कि आधुनिक विकास और परंपराओं का संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

राधाकृष्णन ने कहा कि जब आधुनिक विज्ञान भाषा, आस्था और संस्कृति के साथ सामंजस्य में काम करता है, तो यह संरक्षण और सशक्तीकरण की एक शक्ति बन जाता है।

उपराष्ट्रपति ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी उपायों के माध्यम से जनजातीय जीवन में परिवर्तन-भाषा, आस्था और संस्कृति का संरक्षण शीर्षक वाले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय समुदायों के पास अमूल्य पारंपरिक ज्ञान है जो जैव विविधता और वन संसाधनों के सतत उपयोग में सहायक है। उन्होंने कहा, ''सदियों से इन समुदायों ने भारत की प्राचीन संस्कृति, आस्था और सभ्यतागत विरासत को संरक्षित रखा है। जनजातीय क्षेत्रों में हरित आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जनजातीय समुदायों के डिजाइन, वस्त्र और रंग संयोजन में असाधारण कौशल की सराहना करते हुए कहा कि यह पीढ़ियों से संरक्षित है।

प्रमुख सरकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ''प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान'' के तहत लगभग 7,300 किलोमीटर लंबी 2,400 से अधिक सड़कों और 160 से अधिक पुलों को मंजूरी दी गई है।

सॉल्ट, पाटीदार और कोहली के अर्धशतक आरसीबी जीता

मुंबई इंडियंस की लगातार तीसरी हार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और विराट कोहली के अर्धशतकों से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टी20 मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हरा दिया।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आरसीबी ने शीर्ष क्रम में सॉल्ट (78 रन), पाटीदार (53 रन) और कोहली (50 रन) की बदौलत चार विकेट पर 240 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

इसके जवाब में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 222 रन बना सकी। उसके लिए शेरफाने रदरफोर्ड ने 31 गेंद में 71 रन (नौ छक्के, एक चौका) की नाबाद पारी खेली और शीर्ष स्कोरर रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने 40 रन, रेयान रिकलटन ने 37 रन और सूर्यकुमार यादव ने 33 रन का योगदान दिया।

आईपीएल के 13 सत्र में पहली दफा टूर्नामेंट की शुरुआत जीत से करने के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम इस लय को जारी नहीं रख सकी जिससे उसे लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी।

वहीं गत चैंपियन आरसीबी की यह चार मैच में तीसरी जीत है जिससे वह छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

मैच में कई वाइड और नो-बॉल हुईं तथा कई रिव्यू लिए गए जिससे मैच खत्म होने में काफी समय लगा।

सॉल्ट और कोहली ने पहले विकेट के लिए 65 गेंद में 120 रन की भागीदारी निभाई। सॉल्ट ने 36 गेंद का सामना करते हुए छह छक्के और इतने ही चौके जमाए।

गत चैंपियन टीम के लिए पाटीदार और टिम डेविड (नाबाद 34 रन, 16 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) ने आते ही तेजी से रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

पाटीदार (20 गेंद) ने आते ही छक्कों और चौकों की झड़ी लगाकर आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक जड़ा जिसके लिए उन्होंने 17 गेंद खेलीं जिसमें चार चौके और पांच छक्के जड़े थे।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल : कांग्रेस के कई वरिष्ठ विधायक दिल्ली रवाना

मांड्या/बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के कांग्रेस के वरिष्ठ विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्रिमंडल में फेरबदल और नए चेहरों को मौका देने की मांग को लेकर पार्टी नेतृत्व से बातचीत के लिए रविवार को नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ। वहीं, पहली बार निर्वाचित विधायकों ने भी सरकार में प्रतिनिधित्व की अपनी मांग फिर से उठाई है। पहली बार निर्वाचित कांग्रेस विधायकों ने प्रतिनिधित्व के लिए अपना दबाव तेज कर दिया है और मांग की है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। तीन से अधिक कार्यकाल वाले कई वरिष्ठ विधायक रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। वे पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर यह मांग रखने वाले हैं कि प्रस्तावित फेरबदल के दौरान करीब 40 वरिष्ठ विधायकों में से कम से कम 20 को मौका दिया जाए। वरिष्ठ विधायकों में टी बी जयचंद्र, जो नई दिल्ली में कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि हैं, और विधानसभा के मुख्य सचेतक अशोक पटन शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में उच्च तापमान, ऊष्ण लहर की स्थिति की चेतावनी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने राज्य के कई हिस्सों में उच्च तापमान रहने और ऊष्ण लहर चलने की रविवार को चेतावनी दी।

एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि कृष्णा, एनटीआर, पलनाडु, मार्कापुरम, प्रकाशम, नेल्लोर, कुरनूल, नंदयाल, अनंतपुर, श्री सत्य साई, कडप्पा, अन्नामय्या, चित्तूर और तिरुपति जिलों में उच्च तापमान रहने की संभावना है जबकि उत्तर तटीय जिलों में ऊष्ण लहर की स्थिति रहने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि 19 मंडल में भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में गर्मी बढ़ रही है और 11 अप्रैल को 200 मंडल में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि शनिवार को सबसे अधिक तापमान कडप्पा जिले के पोत्तीपाडु (44.7 डिग्री सेल्सियस) में रहा। इसके अलावा नेल्लोर जिले के कोम्मीपाडु में 44.3 डिग्री सेल्सियस, तिरुपति जिले के वरदय्यापालेम में 44.2 डिग्री सेल्सियस तथा नंदयाल जिले के गोस्पाडु एवं प्रकाशम जिले के कोप्पेरापाडु में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भाजपा ने विशेष संसद सत्र से पहले सांसदों के लिए व्हिप जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे बृहस्पतिवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार करने एवं इन्हें पारित करने के लिए पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत बुधवार (आठ अप्रैल) को उन प्रारूप विधेयकों को मंजूरी दे दी जिनका उद्देश्य 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है।

डाक विभाग ने भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम पर स्मारक डाक टिकट जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डाक विभाग ने रविवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेतृत्व में भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की उल्लेखनीय प्रगति का जश्न मनाने के लिए दो स्मारक डाक टिकट की शृंखला जारी की। कर्नाटक डाक परिक्षेत्र के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के. प्रकाश ने इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपस्थिति में स्मारक डाक टिकट की शृंखला जारी की।

डाक विभाग के मुताबिक, स्मारक डाक टिकट में भारत की प्रारंभिक उपलब्धियों, जैसे आर्यभट उपग्रह का प्रक्षेपण, से लेकर मानव अंतरिक्ष उड़ान और कक्षीय अवसंरचना में भविष्य की महत्वाकांक्षाओं तक की यात्रा को दर्शाया गया है। बयान में कहा गया कि ये भारत की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत को भी प्रतिबिंबित करते हैं, जिसका प्रतीक जंतर-मंतर जैसे स्थल हैं। भारतीय डाक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''ये डाक टिकट डॉ. विक्रम साराभाई के नेतृत्व में भारत की शुरुआती प्रगति से लेकर वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनने तक के सफर को दर्शाते हैं। ये चंद्रयान-3 और आगामी मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान जैसी प्रमुख उपलब्धियों को उजागर करते हैं, जो देश की बढ़ती तकनीकी क्षमता और महत्वाकांक्षा का प्रतीक हैं।'' डाक टिकटों की पहली शृंखला में गगनयान चालक दल के साथ-साथ भारतीय अंतरिक्ष केंद्र जैसी भविष्य की आकांक्षाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो 2035 तक एक अंतरिक्ष केंद्र स्थापित करने के भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि डाक टिकट की दूसरी शृंखला एक्सिओम 4 मिशन मशीन से प्रेरित है, जो ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को सम्मानित करती है, और भारत की प्राचीन खगोलीय विरासत को आधुनिक वैज्ञानिक मशीनों से खूबसूरती से जोड़ती है। अधिकारियों के मुताबिक, शुक्ला के ऐतिहासिक एक्सिओम 4 मिशन अंतरिक्ष उड़ान को प्रदर्शित करने वाली इन डाक टिकट को डिजाइनर मनीष त्रिपाठी ने डिजाइन किया है और रविवार को अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस के अवसर पर जारी किए गए डाक टिकट का हिस्सा है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष मिशन या अन्वेषण में किसी राष्ट्र को बदलने की क्षमता होती है। शुक्ला ने इसरो को गत वर्षों में मिली सफलता और अंतरिक्ष एजेंसी के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा, ''उम्मीद है कि बहुत जल्द हम अपने रॉकेट और अपने प्रक्षेपण यान से अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों को भेज सकेंगे और उन्हें सुरक्षित वापस ला सकेंगे।''उन्होंने कहा, ''पिछले साल जब मैं अमेरिका में इस (एक्सिओम-4) अंतरिक्ष मिशन के लिए प्रशिक्षण ले रहा था, तब एक मिशन की प्रतीकात्मक तस्वीरों के रूप में एक कहानी थी जिसे आप अपने साथ ले जा सकते थे, जो आज जारी किए गए डाक टिकट में से एक है।'' इसरो के अध्यक्ष डॉ.वी. नारायणन ने राष्ट्र के लिए डाक विभाग की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने इसरो की वर्षों की उपलब्धियों और विशेषज्ञता का उल्लेख करते हुए कहा, ''आज इसरो में मेरे सहयोगियों के लिए उपग्रह बनाना बच्चों का खेल है... प्रक्षेपण यान की क्षमता की बात करें तो, एलवीएम-3 वर्तमान में 10,000 किलोग्राम तक का भार ले जा सकता है। हम अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान पर काम कर रहे हैं जो 30,000 किलोग्राम और 80,000 किलोग्राम भार को पृथ्वी की निचली कक्षा में ले जाने में सक्षम होगा।''

मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए, इसरो प्रमुख ने कहा कि मिशन की तैयारी करते समय गगनयात्रियों (अंतरिक्ष यात्रियों) की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। नारायणन ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कई गतिविधियां चल रही हैं। हम गगनयान मिशन पर काम कर रहे हैं। कृपया मुझसे इसकी तारीख न पूछें। यह एक प्रौद्योगिकी-प्रधान कार्यक्रम है, और हम समस्याओं का समाधान करते हुए आगे बढ़ रहे हैं और हर चरण में सफल हो रहे हैं। हम मानवरहित मिशन की योजना बना रहे हैं। तीन मानवरहित मिशन पूरे करने के बाद, हमें मानवयुक्त मिशन के लिए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि हमारे लिए सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है।''

उन्होंने बताया कि भारतीय अंतरिक्ष केंद्र की योजना पर काम हो रहा है और यह कुल 52 टन का अंतरिक्ष केंद्र होगा। नारायणन ने कहा, भारत की योजना 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष केंद्र के पांच मॉड्यूल कक्षा में स्थापित करने की है। पहले मॉड्यूल को 2028 तक प्रक्षेपित किये जाने की उम्मीद है।

कर्नाटक उपचुनाव : कांग्रेस ने अल्पसंख्यक विभाग प्रमुख का इस्तीफा स्वीकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने रविवार को पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष के. अब्दुल जब्बार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनके अधीन गठित समितियों को भंग कर दिया। जब्बार ने शनिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। इससे एक दिन पहले, मुस्लिम नेताओं के एक समूह ने अपनी ही पार्टी के सदस्यों पर दावणगेरे दक्षिण में कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को हराने के लिए ''षड्यंत्र'' रचने का आरोप लगाया था। पार्टी को लिखे अपने पत्र में जब्बार ने कहा कि अल्पसंख्यक मतदाता और पदाधिकारी कांग्रेस की रीढ़ हैं तथा वे बेहतर के हकदार हैं। बाद में, पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि यह हैरानी की बात है कि अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ नेता पार्टी कार्यालय का इस्तेमाल इसी समुदाय के वरिष्ठ नेताओं पर हमला करने के मंच के रूप में कर रहे हैं। विधान पार्षद जब्बार दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का टिकट चाहते थे।

शिवकुमार ने एक बयान में कहा, ''के. अब्दुल जब्बार ने केपीसीसी (कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी) अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है और वह तत्काल प्रभाव से पद से मुक्त हो गए हैं। इसके अलावा, केपीसीसी अल्पसंख्यक विभाग समिति को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है।'' दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के एक दिन बाद शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस के भीतर उस वक्त मतभेद देखने को मिला, जब मुस्लिम नेताओं के एक समूह ने आरोप लगाया कि कुछ वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने दावणगेरे दक्षिण से आधिकारिक उम्मीदवार को हराने के लिए ''आंतरिक साजिश'' रची है। दावणगेरे दक्षिण में अल्पसंख्यक समुदाय की अच्छी खासी संख्या है।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने सभी पहलुओं पर विचार करने और मुस्लिम नेताओं को विश्वास में लेने के बाद मल्लिकार्जुन को उम्मीदवार बनाया था। इसके बावजूद, पार्टी के कुछ लोगों ने एक अभियान चलाया जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को टिकट न देकर उनके साथ ''विश्वासघात'' किया है। विधान परिषद में मुख्य सचेतक सलीम अहमद, विधायक रिजवान अरशद और यासिर अहमद खान पठान, विधान पार्षद बिलकिस बानो और अन्य नेताओं ने शुक्रवार को एक संयुक्त प्रेसवार्ता में ''आंतरिक साजिश'' का आरोप लगाया।

खान ने खुले तौर पर दावणगेरे दक्षिण सीट से मुस्लिम उम्मीदवार की मांग की थी। शुरुआत में वह केरल चुनाव से संबंधित प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार से दूर रहे। हालांकि, बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के अनुरोध पर समर्थ के पिता और मंत्री एस एस मल्लिकार्जुन के साथ एक प्रेसवार्ता की। दावणगेरे से होने के बावजूद जब्बार ने भी चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से भाग नहीं लिया था।

इस बीच, विधायक अरशद ने रविवार को कहा कि पार्टी नेतृत्व उन लोगों से अवगत है जिन्होंने कथित तौर पर कांग्रेस के मतों को विभाजित करने और भाजपा की मदद करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, ''लेकिन, सौभाग्यवश, इसका कोई असर नहीं हुआ है और कांग्रेस उम्मीदवार की जीत होगी।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि किसी मुस्लिम को दावणगेरे दक्षिण से टिकट इसलिए नहीं मिला क्योंकि कुछ वरिष्ठ अल्पसंख्यक नेताओं ने यह मांग की थी कि यह टिकट विशेष रूप से जब्बार के लिए हो, न कि समुदाय के किसी अन्य योग्य उम्मीदवार के लिए, जबकि जब्बार सभी को स्वीकार्य नहीं थे।

केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान को जैव रसायन और रक्तविज्ञान के लिए आईएसओ मान्यता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। बेंगलूरु स्थित केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) की क्लिनिकल प्रयोगशाला को जैव रसायन और रक्तविज्ञान के लिए आईएसओ 15189:2022 मान्यता प्राप्त हुई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि रोगियों को विश्वसनीय और सटीक निदान सेवाएं मिलें। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सीएआरआई केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत मान्यता प्राप्त करने वाला पहला संस्थान बन गया है। बयान में कहा गया कि यह मान्यता रोगियों को आश्वस्त करती है कि प्रयोगशाला वैश्विक स्तर पर स्वीकृत गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सटीक, विश्वसनीय और सुरक्षित नैदानिक परिणाम प्रदान करती है।

इसमें कहा गया कि यह उपलब्धि प्रयोगशाला के एक प्रवेश स्तर की एनएबीएल-प्रमाणित सुविधा से एक पूर्ण रूप से स्थापित, मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्र में परिवर्तन को दर्शाती है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा, आईएसओ 15189:2022 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मान्यता प्राप्त होने से यह सुनिश्चित होता है कि मरीजों को विश्वसनीय और सटीक निदान सेवाएं मिलें, जो प्रभावी उपचार एवं बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए आवश्यक हैं। मंत्री ने कहा कि सीएआरआई बेंगलूरु की यह उपलब्धि दर्शाती है कि मंत्रालय किस प्रकार आयुष अवसंरचना को गुणवत्ता और विश्वसनीयता के मानक में परिवर्तित कर रहा है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि जैव रसायन और रक्तविज्ञान दोनों क्षेत्रों में मिली यह मान्यता उच्च गुणवत्ता वाले निदान को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, ''यह अनुसंधान एवं रोगी-केंद्रित देखभाल पर हमारे जोर को और मजबूत करता है।''

कैबिनेट में फेरबदल हाईकमान पर निर्भर है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कमगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि मंत्री पद के इच्छुक विधायकों का दिल्ली आना गलत नहीं है। कैबिनेट में फेरबदल का फैसला हाईकमान को लेना है। उन्होंने रविवार को एनआरपुरा टूरिस्ट मंदिर में मीडिया से बात की। नरसिंहराजपुरा में पुल बनाने की मांग लंबे समय से थी। यह खुशी की बात है कि मेरे कार्यकाल में इसका शिलान्यास और उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के कार्यकाल में पुल बनाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। मंत्री पद के इच्छुक विधायकों के दिल्ली आने पर उन्होंने कहा कि मंत्री पद के इच्छुक विधायकों का दिल्ली आना गलत नहीं है। कैबिनेट में फेरबदल अभी बाकी है। पांच राज्यों में चुनाव और बजट सेशन कैबिनेट में फेरबदल में देरी का कारण हो सकते हैं।

एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कि सरकार पहाड़ों में रिसॉर्ट बनाने की इजाज़त दे रही है, लेकिन जंगल में रहने वालों को अधिकार नहीं दे रही है, उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट द्वारा अधिकार देने समेत कई मुद्दों पर जल्द ही मीटिंग होगी। केरल की इस आलोचना पर कि कर्नाटक टूरिस्ट के लिए सुरक्षित जगह नहीं है, उन्होंने कहा कि चिकमंगलूरु में केरल की एक लड़की की मौत की जांच की जाएगी। लेकिन उन्होंने कहा कि यह कहना सच से कोसों दूर है कि कर्नाटक टूरिस्ट के लिए सुरक्षित नहीं है।

गौरतलब है कि कर्नाटक राज्य में उपचुनाव खत्म होने के बाद अब कांग्रेस विधायकों का एक बड़ा दल जिसमें लगभग 30 विधायक हैं, दिल्ली पहुंचकर हाईकमान से मुलाकात करने की तैयारी में है। ये विधायक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के कैबिनेट में फेरबदल और नए चेहरों को शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

सिद्दरामय्या के करीबियों पर कार्रवाई की तलवार चल सकती है। दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों और एसडीपीआई उम्मीदवार को कथित तौर पर गुप्त समर्थन देने के आरोपों में मुख्यमंत्री के करीबी नेताओं, जैसे जमीर अहमद खान और नजीर अहमद, पर कांग्रेस आलाकमान सख्त कार्रवाई कर सकता है।

रविवार को नई दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचे कर्नाटक विधायकगण।

हम एक पारदर्शी सरकार चला रहे हैं चाहे वह विकास कार्य हों या संगठन से जुड़े फैसले, सब कुछ जनता और कानून के हित में किया जा रहा है।

– सिद्दरामय्या, मुख्यमंत्री

ईवी क्रांति पर राजनीति

दिल्ली में बीजेपी की 'रफ़्तार' बनाम कर्नाटक में कांग्रेस की 'सुस्ती' पर छिड़ी बहस

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारत की इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्रांति अब राजनीतिक खींचतान का नया केंद्र बन गई है। एक ओर जहाँ दिल्ली में भाजपा समर्थित प्रशासन एत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का दावा कर रहा है, वहीं कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा रोड टैक्स में दी गई छूट को खत्म करने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया हो रही है। आलोचकों का कहना है कि यह विकास-समर्थक विज़न और पिछड़ी सोच वाली राजनीति के बीच का अंतर है।

दिल्ली में प्रशासन ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए ईवी सब्सिडी के 140 करोड़ से अधिक के बकाया को चुकाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भाजपा के विज़न के तहत राजधानी में 7,000 नए चार्जिंग स्टेशन के साथ एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। आम आदमी को राहत देते हुए सब्सिडी सुनिश्चित करना ताकि स्वच्छ परिवहन हर नागरिक की पहुंच में हो।

ईवी के चलते प्रदूषण मुक्त भविष्य परिवहन को विलासिता के बजाय एक अनिवार्य सार्वजनिक सेवा बनाना।

कभी टेक्नोलॉजी का हब रहा कर्नाटक, वर्तमान में नीतिगत बदलावों के कारण चर्चा में है। कांग्रेस सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स छूट समाप्त करने के फैसले को मध्यम वर्ग और पर्यावरण के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का तर्क है कि लोकलुभावन और मुफ्त योजनाओं के कारण राज्य का खजाना खाली हो गया है, जिससे विकास कार्यों के लिए बजट की कमी हो रही है। ईवी पर अतिरिक्त टैक्स लगाने से बेंगलूरु जैसे शहरों के उन नागरिकों को नुकसान हो रहा है जो पर्यावरण के प्रति जागरूक हैं। जहाँ दिल्ली विकास की बाधाएं हटा रही है, वहीं कर्नाटक में लागत बढ़ने से ईवी क्षेत्र में मंदी की आशंका जताई जा रही है।

भाजपा समर्थकों का कहना है कि यह डबल-इंजन सरकार के लाभ और कांग्रेस के दोहन मॉडल के बीच का फर्क है। उनके अनुसार, भाजपा प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जबकि कांग्रेस केवल कराधान के जरिए संसाधन जुटाने में लगी है।

व्यवसायी से 'डिजिटल गिरफ्तारी' घोटाले में 15 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। बेलगावी से दो लोगों को एक 'डिजिटल गिरफ्तारी' धोखाधड़ी के मामले

में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें 81-वर्षीय एक व्यापारी ने कथित तौर पर 15 करोड़ रुपये से अधिक गंवा दिया था। धोखेबाजों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताते हुए व्यापारी पर एक वित्तीय अपराध में शामिल होने का आरोप लगाया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान वेंकटेश शरत नाइक और देगावत श्रीपद नाइक के रूप में हुई है, जो हैदराबाद के निवासी हैं। यह गिरफ्तारी हाल ही में जांचकर्ताओं द्वारा की गई एक कार्रवाई के दौरान की गई। बेलगावी सिटी साइबर अपराध पुलिस थाने में 18 मार्च को दर्ज किए गए मामले की विस्तृत जांच के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई।

पुलिस के अनुसार, जांचकर्ताओं ने हैदराबाद, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और पश्चिम बंगाल में फैले 10 लाभार्थी खातों का पता लगाया। हैदराबाद के एक खाते में दो करोड़ रुपये के हस्तांतरण से जांच में अहम सफलता मिली, जिसके बाद छह अप्रैल को साइबर कमांड यूनिट की एक टीम ने हैदराबाद में कई स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

कैंसर उपचार में नई क्रांति एआरसी अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत की सिलिकॉन वैली में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरुआत हुई है। नव स्थापित एरियन रेडियोथेरेपी और ऑन्कोलॉजी सेंटर (-एआरसी कैंसर अस्पताल) ने एक ऐसा 'मध्य मार्ग' मॉडल पेश किया है, जो विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल और सामर्थ्य के बीच के अंतर को कम करेगा। भारत में कैंसर के मरीजों के पास अब तक दो ही विकल्प थे - महंगे कॉर्पोरेट अस्पताल या लंबी कतारों वाले सरकारी संस्थान। एआरसी कैंसर अस्पताल ने इस असंतुलन को दूर करने के लिए अग्रणी निजी अस्पतालों की तुलना में 20-30 प्रतिशत कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाला उपचार देने का संकल्प लिया है।

एक छत के नीचे सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, कीमोथेरेपी और उन्नत रेडियोथेरेपी जैसी सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। अमेरिका के विशेषज्ञों वाले 'इंटरनेशनल ट्यूमर बोर्ड' के साथ समन्वय, जिससे मरीजों को वैश्विक स्तर के प्रोटोकॉल और इम्यूनोथेरेपी जैसी आधुनिक तकनीकें मिल सकेंगी। निजी और सार्वजनिक प्रणालियों की देरी को खत्म करते हुए, यहाँ त्वरित पहुंच और व्यक्तिगत रोगी देखभाल पर जोर दिया गया है।

अस्पताल के संस्थापक और एमडी डॉ. श्रीहरि आर. शापुर ने कहा कैंसर देखभाल में मौजूद महत्वपूर्ण कमियों को दूर करना हमारा उद्देश्य है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि मध्यम वर्ग को बिना किसी देरी के किफायती दरों पर इलाज मिले। हम बीपीएल और आयुष्मान भारत के लाभार्थियों तक पहुँचने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. दिनेश माविनाहल्ली और चिकित्सा निदेशक डॉ. संस्कृति पी. मूर्ति ने साझा किया कि अस्पताल 24/7 अनुभवी डॉक्टरों और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, जो समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित करते हैं।

एआरसी केवल मध्यम वर्ग तक सीमित नहीं है। अस्पताल ने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड धारकों के लिए रेडियोथेरेपी उपचार शुरू किया है। इस पहल को कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि टीबी जयचंद्र का भी समर्थन प्राप्त है, जो सार्वजनिक-निजी सहयोग की एक नई मिसाल पेश करता है। इस ऐतिहासिक पहल के उद्घाटन के अवसर पर मंत्री रामलिंगा रेड्डी, विधायक उदय गरुडाचार, बेंगलूरु जामिया मस्जिद के इमाम डॉ. मोहम्मद मकसूद इमरान रशदी और डॉ. महेश्वर राव सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

लोकसभा सीटों के विस्तार से दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है : ब्रिटास

चेन्नई/नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास ने रविवार को कहा कि लोकसभा सीटों के विस्तार से दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है और उन्होंने इस कवायद के समय पर सवाल उठाया। ब्रिटास ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के प्रस्तावित परिवर्तनों का समर्थन करेगी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आनुपातिक आधार पर सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने के प्रस्ताव से उत्तरी राज्यों को 200 से अधिक सीट मिलेंगी, लेकिन दक्षिणी राज्यों को केवल लगभग 65 सीट ही मिलेंगी।

उन्होंने कहा, ''राजनीति में अनुपात या प्रतिशत के बजाय पूर्ण संख्याएं मायने रखती हैं।'' उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह का असंतुलन संघीय 'संतुलन और विविधता' को कमजोर कर सकता है। उन्होंने संसद के विशेष सत्र को ''जल्दबाजी'' में बुलाया गया बताया और कहा कि यह ऐसे समय में हो रहा है जब दो महत्वपूर्ण राज्यों - पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु - में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं।

युवाओं की मजबूत नींव से सुरक्षित हो रहा प्रदेश का भविष्य : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोई भी घर या विशाल इमारत तभी लंबे समय तक सुदृढ़ रहती है, जब उसकी नींव मजबूत हो। यही सिद्धांत समाज, राज्य और राष्ट्र पर भी लागू होता है। किसी भी प्रदेश की वास्तविक ताकत उसके युवा होते हैं, जिनका सशक्त वर्तमान ही एक उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला रखता है। भारत विश्व के सबसे युवा देशों में अग्रणी है और राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार इसी युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी दूरदर्शी सोच के तहत प्रदेश में युवा नीति, कौशल नीति और रोजगार नीति लागू कर युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार पाने तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार सृजक बनाना है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत युवाओं को 10 लाख रुपए तक का ऋण 100 प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं मार्जिन मनी सहायता के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के लिए 1000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है।

रोजगार उपलब्ध कराने के क्षेत्र में भी राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग सवा दो वर्षों के कार्यकाल में 1 लाख 25 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की जा चुकी हैं, जबकि 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। इसके साथ ही आगामी वर्ष में 1 लाख 25 हजार नई भर्तियों की घोषणा की गई है। वहीं, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट जैसे प्रयासों से निवेश को बढ़ावा मिला है, जिससे निजी क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पेपर लीक माफिया पर कठोर कार्रवाई की गई है तथा राष्ट्रीय स्तर की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तर्ज पर राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी का गठन किया जाएगा। वहीं, ग्रामीण युवाओं को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों पर कंप्यूटर, इंटरनेट, ई-लाइब्रेरी, ई-मित्र सेवाएं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों और पत्र-पत्रिकाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे युवाओं की शहरों पर निर्भरता कम होगी।

विशेष वर्गों के लिए भी खास योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं उनके आश्रितों के लिए मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए कार्यक्रम लागू किया गया है, जिसके तहत नशे के विरुद्ध निगरानी, उपचार और जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। खेलों के जरिए युवाओं के भविष्य को निखानते के लिए भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। विभिन्न जिलों में खेल स्टेडियमों का निर्माण के साथ ही सुधार कार्य किए जा रहे हैं। महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

वहीं, खेलो राजस्थान यूथ गेम्स के आयोजन के लिए 50 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं तथा स्कूल खेल प्रतियोगिताओं की प्रोत्साहन राशि को 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए किया गया है। बहुआयामी नवाचारों और पहलों द्वारा राज्य युवाओं को सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। क्योंकि यही सशक्त युवा शक्ति राजस्थान को विकास के नए आयामों तक पहुंचाने एवं विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

जयपुर में महिला से छेड़छाड़ का वीडियो वायरल, गहलोत ने सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक महिला से कथित छेड़छाड़ का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य सरकार पर निष्क्रियता बरतने का आरोप लगाया है। गहलोत ने इस घटना को 'शर्मनाक और असहनीय' बताया। पुलिस ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र में घटी इस घटना का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया था जो शनिवार को सोशल मीडिया में वायरल हो गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना 25 मार्च को हुई थी।

वीडियो में एक व्यक्ति को मोबाइल पर बात कर रही महिला का पीछा करते हुए देखा गया। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद वह एक सुनसान गली में उसे पकड़कर कथित रूप से छेड़छाड़ करता है और महिला द्वारा शोर मचाए जाने पर भाग जाता है। पुलिस ने बताया कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन उपलब्ध फुटेज और संदिग्ध के हुलिए के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

यह घटना हाल के दिनों में सामने आए अन्य मामलों के बीच घटी है। इसके पहले एक विदेशी पर्यटक से कथित दुर्व्यवहार, ऑटो चालक द्वारा विदेशी आगंतुक से बदसलूकी और इस्कॉन रोड पर बाइक सवार दो युवकों द्वारा महिला से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आई थीं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि छेड़छाड़ एक संज्ञेय अपराध है, जिसमें पुलिस स्वतः संज्ञान लेकर प्राथमिकी दर्ज कर सकती है और बिना वारंट गिरफ्तारी कर सकती है।

गहलोत ने पुलिस की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वीडियो साक्ष्य होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज करने में देरी की जा रही है। गहलोत ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान अनिवार्य प्राथमिकी के नियमों से पुलिस की त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होती थी, जबकि वर्तमान सरकार निष्क्रिय बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि आरोपी की तलाश जारी है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बातचीत

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला रविवार को अपने चुनाव क्षेत्र के ऑफिस में एक निवासी से बातचीत करते हुए।

मुख्यमंत्री ने योग और व्यायाम के महत्व पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सुबह की सैर के दौरान जयपुर स्थित अपने सरकारी आवास के पास आमजन से संवाद किया। शर्मा लोक भवन रोड पर टहलते हुए लोगों से मिले और उनसे बातचीत की। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग और नियमित व्यायाम के महत्व पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को रोज़ाना अपने लिए कुछ समय निकालना चाहिए। उन्होंने बताया कि सुबह की सैर जैसी गतिविधियां दिनभर ऊर्जा और ताजगी बनाए रखने में मदद करती हैं।

इस दौरान बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों समेत स्थानीय लोग मुख्यमंत्री के साथ चलते दिखाई दिए। कई लोगों ने इस मौके पर उनके साथ 'सेल्फी' भी ली।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का स्वागत

बीकानेर। राज्यसभा सांसद एवं मदन राठौड़ का शहर में आगमन पर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। यह कार्यक्रम शहर भाजपा उपाध्यक्ष मोतीलाल हर्ष के निवास पर आयोजित हुआ, जहां कार्यकर्ताओं और परिवारजनों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री डॉ. मिथिलेश गौतम और भूपेंद्र सैनी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं और परिवार के सदस्यों से आत्मीयता से मुलाकात की और सभी से परिचय प्राप्त किया। कार्यक्रम में परिवार के मुखिया डॉ. पन्नालाल हर्ष ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। वहीं मोतीलाल हर्ष ने प्रदेशाध्यक्ष को साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने भी अतिथियों का अभिनंदन किया।

आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने का प्रयास, लोगों में आक्रोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सिरोही जिले के खंबाल गांव में बी आर आंबेडकर की प्रतिमा असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, रविवार सुबह प्रतिमा का हाथ टूटा हुआ पाया गया, जिससे स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आस-पास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हुए और विरोध प्रदर्शन किया। उपखंड अधिकारी (एसडीएम) हरि सिंह देवड़ा भी स्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने लखपति दीदियों से किया वर्चुअल संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में रविवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी 41 जिलों से जिला परियोजना प्रबंधक एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 425 लखपति दीदियों ने सहभागिता की।

मुख्य सचिव ने सिटिजन-सेंट्रिक अप्रोच के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। विभिन्न जिलों से जुड़ी लखपति एवं मिलियनेयर दीदियोंबीकानेर से मोनिका, जयपुर से शांति एवं शालिनी, धौलपुर से पार्वती, जैसलमेर से डिंपल, जालौर से ललिता, अलवर से कविता, टोंक से पिंकी, राजसमंद से सरिता, डूंगरपुर से गायत्री, भरतपुर से बृजेश, झालावाड़ से सुशीला एवं बाड़मेर से डिंपल ने अपने अनुभव साझा किए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव द्वारा राजीविका के कार्यों की समीक्षा करते हुए 10-स्टेप रिफॉर्म लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राजीविका मिशन के अंतर्गत 4.34 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 51.22 लाख परिवारों की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु क्रेडिट लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं स्किल लिंकेज पर आधारित एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सफलता की कहानियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, महिलाओं के साथ प्रत्येक माह वेबिनार आयोजित कर सतत संवाद एवं मार्गदर्शन बनाए रखने के लिए भी कहा। मुख्य सचिव ने विभिन्न राज्यों के प्रमुख शहरों एवं महानगरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों हेतु एक समग्र कैलेंडर एवं शो प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि उत्पादों को बेहतर बाजार एवं प्रदर्शन के अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने उद्योग, एमएसएमई, बीआईपी, टेक्सटाइल एक्सपोर्ट से जुड़े विभागों, आरएसएलडीसी एवं आईटीआई जैसे संस्थानों के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, जिससे महिलाओं को अधिक अवसर एवं आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराए जा सकें। साथ ही, महिलाओं द्वारा संचालित कुटीर उद्योगों को विकसित कर उन्हें एमएसएमई के रूप में स्थापित करने पर के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

138 डिग्री, डिप्लोमा व प्रमाणपत्रः विश्व की सर्वाधिक शैक्षणिक डिग्री रखने वाले इंसान हैं दशरथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आम तौर पर लोग एक या दो डिग्री हासिल कर संतुष्ट हो जाते हैं लेकिन यदि किसी व्यक्ति के अंदर पढ़ाई का ऐसा जुनून हो कि उसने पास 138 डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र हों तो ऐसे व्यक्ति को आप क्या कहना पसंद करेंगे। यह कारनामा राजस्थान में झुंझुनूं जिले के डॉ. दशरथ सिंह ने कर दिखाया है। हाल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के 39वें दीक्षांत समारोह में 55 वर्षीय डॉ. दशरथ सिंह को 138वीं डिग्री प्रदान की गई। उन्होंने 'वैदिक अध्ययन में परास्नातक' की डिग्री 'विशिष्ट योग्यता' के साथ हासिल की। वह शिक्षा के क्षेत्र में 11 विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। दशरथ वर्तमान में भारतीय सेना एवं रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार हैं।

सेना की नौकरी के दौरान पंजाब, जम्मू-कश्मीर, असम जैसे अपेक्षाकृत 'कठिन' इलाकों में तैनाती के बावजूद दशरथ में पढ़ाई का जुनून कम नहीं हुआ। सेना की नौ राजपूताना रेजिमेंट में सिपाही रहे दशरथ सिंह का नाम 'इंरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में 'मोस्ट एजुकेशनली क्वालिफाइड पर्सन ऑफ द वर्ल्ड' यानी विश्व के सबसे ज्यादा शैक्षणिक योग्यता रखने वाले व्यक्ति के रूप में दर्ज है।

डॉ. दशरथ सिंह अब तक तीन विषयों में पीएचडी, सात में स्नातक, 46 में स्नातकोत्तर, 23 में डिप्लोमा, सेना से संबंधित सात विषयों में डिग्री और 52 विषयों में प्रमाणपत्र हासिल कर चुके हैं। राजस्थान से सबसे ज्यादा सैनिक देने वाले झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ तहसील के खिरोड़ गांव में एक साधारण से किसान एवं सैनिक परिवार में जन्मे दशरथ अपने परिवार से तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उन्होंने बताया कि उनका बचपन बेहद कष्टमय और कठिन परिस्थितियों में गुजरा।

दशरथ ने कहा, मेरे परिवार में कोई पढ़ा लिखा नहीं था और न ही पढ़ाई-लिखाई का कोई माहौल ही था, फिर भी गांव के एक छोटे से विद्यालय से अपनी प्रारंभिक शिक्षा का सफर शुरू किया। मैंने 10वीं तक की शिक्षा गांव के ही सरकारी विद्यालय से पूरी की। घर की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण महाविद्यालय की पढ़ाई करना एक सपने जैसा था। फिर एक दिन कुछ दोस्तों के साथ मैंने घर से 13 किमी दूर स्थित सेठ जीबी पोद्दार महाविद्यालय नवलगढ़ में प्रवेश ले लिया।

उन्होंने कहा, फीस और किताबों के अभाव में महाविद्यालय से मेरा नाम काट दिया गया था लेकिन मैंने महाविद्यालय प्राचार्य से निवेदन किया तो मुझे 10 दिन

का समय दिया गया। उस समय मैं अपने खेत में उपजी सब्जियां शहर की मंडी में बेचने 13 किमी पैदल गया और उससे मिले पैसे से फीस जमा कराई। उन्होंने बताया कि उनके दादा बाघ सिंह और पिता रघुवीर सिंह शेखावत भी सेना में थे। कॉलेज में प्रथम वर्ष के बाद ही चार अक्टूबर 1988 को वह भारतीय सेना की 9वीं राजपूत इन्फेंट्री बटालियन में बतौर एक साधारण सिपाही भर्ती हो गए।

दशरथ सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्हें पहली तैनाती 1989 में पंजाब में मिली थीं। इसके बाद वह उल्फा आंदोलन के दौरान 1991 में असम में रहे। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स के पहले जत्थे में शामिल कर 1994 में जम्मू-कश्मीर भेज दिया गया जहां वह साढ़े तीन साल रहे। उन्होंने बताया कि लगातार फील्ड ड्यूटी के बाद उन्हें कुछ समय के लिए लखनऊ भेजा गया, लेकिन इसी दौरान संसद पर हमला हुआ तो उन्हें वापस जम्मू कश्मीर भेज दिया गया। सिंह ने बताया कि बाद में वह कारगिल युद्ध में शामिल रहे।

सिंह तीन जुलाई 2004 को सेवानिवृत्ति के बाद, वर्तमान में सेना में बतौर विधि सलाहकार के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें सेना में रहते हुए भी यह कसक रही कि वह पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए इसलिए उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद पढ़ाई शुरू की। दशरथ ने बताया कि उन्होंने पहली डिग्री 'बैचलर ऑफ कॉमर्स' की ली तथा एलएलबी, एलएलएम, बीजेएमसी और बीएड की डिग्री नियमित छात्र के रूप में ली है। दशरथ का दावा है कि वे अब तक हजारों परीक्षाएं दे चुके हैं। दशरथ ने कहा, सेना में दो महीने की छुट्टी हर साल मिलती है। मैं यह छुट्टी मई-जून में ही लेता था। नौकरी के दौरान कभी होली-दिवाली या अन्य त्योहारों के लिए छुट्टी नहीं ली। सेवानिवृत्ति के बाद फिर सरकारी नौकरी मिली, लेकिन लगा कि सैनिकों के लिए कुछ करना चाहिए इसलिए मैंने कानून की डिग्री हासिल कर वकालत शुरू कर दी। अब जयपुर में सेना की सप्तशक्ति कमांड में विधि सलाहकार के रूप में सेना, सैनिकों और पूर्व सैनिकों से जुड़े मामले देखता हूं। उन्होंने दावा किया है कि वह अब तक सैनिकों के 2,500 मामले लड़ चुके हैं और ज्यादातर में सफलता हासिल की है। दशरथ के नाम शिक्षा के क्षेत्र में 11 रिकॉर्ड हैं, जिनमें 'इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', दो 'हॉवर्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', 'एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड', 'यूएसए बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', 'यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड', 'ग्लोबल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' और 'नेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' शामिल हैं।

हाइटेक हुआ झालाना का इंटरप्रिटेशन सेंटर : एक क्लिक में मिलेगी लेपर्ड्स की पूरी दुनिया की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन्यजीव प्रेमियों के लिए राहत भरी और रोमांचक खबर है। जयपुर के बीचों-बीच स्थित झालाना लेपर्ड रिजर्व अब और भी आकर्षक बनने जा रहा है। यहां बने इंटरप्रिटेशन सेंटर को हाइटेक बनाने का काम तेजी से चल रहा है। यह सेंटर प्रदेश में अपनी तरह का पहला आधुनिक सेंटर होगा, जहां पर्यटकों को लेपर्ड्स और जंगल की दुनिया के बारे में डिजिटल और इंटरएक्टिव तरीके से जानकारी मिलेगी। एंट्री पर लेपर्ड करेगा स्वागत, बच्चों के लिए खास आकर्षण इंटरप्रिटेशन सेंटर में प्रवेश करते ही पर्यटकों का स्वागत एक आकर्षक लेपर्ड मॉडल करेगा, जो जंगल जैसा अनुभव देगा। इसके आगे एक सर्कुलर रिंग एक्टिविटी बनाई गई है, जिसे घुमाकर पर्यटक दुनिया के विभिन्न लेपर्ड्स की जानकारी ले सकेंगे।

खास बात यह है कि यह गतिविधि बच्चों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे वे खेल-खेल में सीख सकें। साथ ही सेंटर में झालाना लेपर्ड रिजर्व का एक विस्तृत मॉडल भी लगाया गया है, जिसमें प्रवेश द्वार, शिकार होदी, मंदिर और वाटर प्वाइंट्स जैसी जगहों की जानकारी बेहद रोचक ढंग से दी गई है। लेपर्ड की ताकत का मिलेगा अनुभव इंटरप्रिटेशन सेंटर की खासियतों में एक अनोखा अनुभव भी शामिल है। यहां डमी के माध्यम से दिखाया गया है कि एक औसत लेपर्ड किस तरह 30-40 किलो वजनी चीतल को आसानी से पेड़ पर चढ़ा सकता है। इसे समझाने के लिए 10 किलो वजन को रस्सी से बांधा गया है, जिसे पर्यटक खुद खींचकर लेपर्ड की ताकत का अंदाजा लगा पाएंगे।

सच्ची मानवता की मिशाल है अपना घर आश्रम : डॉ. गर्ग

भरतपुर। पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने तीन दिवसीय भरतपुर दौरे के प्रथम दिन रविवार को बझेरा स्थित अपना घर आश्रम के बंशी प्रकल्प में नवीन भवन के लोकार्पण एवं बालिका सदन के शिलान्यास समारोह में अतिथि के रूप में शिरकत की। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत भी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अध्यक्षता सांसद राजेन्द्र गहलोत ने की।

मणिपुर : बम हमले के खिलाफ इंफाल में प्रदर्शन

इंफाल/भाषा। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में हाल ही में हुए बम हमले और दो बच्चों की मौत के विरोध में रविवार को राजधानी इंफाल में हजारों लोगों ने रैली निकाली। यह रैली उरीपोक निर्वाचन क्षेत्र के कई स्थानीय निकायों के एक समूह, उरीपोक अपुनबा लुप और उरीपोक नुपी अपुनबा लुप द्वारा आयोजित की गई थी। रैली लैम्बोइखोंगनांगखोंग से शुरू हुई और चार किलोमीटर की दूरी तय की।

उरीपोक अपुनबा लुप के उपाध्यक्ष ख्वैराकपम तरुणकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''अपने विरोध प्रदर्शन के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी में दो बच्चों की हत्या की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की जांच जल्द से जल्द पूरी की जाए और दोषियों को उचित दंड दिया जाए तथा कानून के अनुसार उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाए।'' कई बच्चों ने भी रैली में हिस्सा लिया और उन्होंने इस दौरान तख्तियां पकड़ी हुई थीं जिन पर लिखा था, ''हम न्याय चाहते हैं, हम बच्चों की हत्या की निंदा करते हैं।'' बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी में सात अप्रैल को संदिग्ध आतंकवादियों ने मकान पर बम फेंका जिसकी चपेट में आने से पांच वर्षीय लड़के और उसकी छह महीने की बहन की मौत हो गई थी।

बहुमत नहीं मिलने पर तृणमूल उम्मीदवारों से समर्थन के लिए धमका रही है भाजपा : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राज्य मंत्रियों सहित तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों को धमका रही है और विधानसभा चुनाव के बाद बहुमत के आंकड़े से कम रहने की स्थिति में उनका समर्थन मांग रही है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार पश्चिम बंगाल को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन करना चाहती है और राज्य के कुछ हिस्सों को बिहार या ओडिशा में मिलाया जा सकता है, जिससे उन क्षेत्रों में रहने वाले बंगालियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। पश्चिम बर्धमान के आसनसोल, बांकुड़ा जिले के छटना और ओंडा तथा पूर्वी बर्धमान के खंडघोष में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, भाजपा विधानसभा चुनाव के बाद बहुमत के आंकड़े से कम रहने की स्थिति में राज्य मंत्रियों सहित तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों को धमका रही है और उनका समर्थन मांग रही है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 है। भाजपा ने 2021 के चुनाव में 77 सीट जीती थीं। उन्होंने कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन विधेयक लाने की योजना बना रही है। इससे पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों का बिहार या ओडिशा में विलय हो सकता है और जिससे वहां के बंगालियों को प्रताड़ना का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल की सत्ता से हटाने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का सौदा किया है।

विधवा भाभी से शादी का दबाव बनाने पर युवक ने की आत्महत्या

सहारनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के बड़गांव थाना क्षेत्र में एक युवक ने विधवा भाभी से कथित तौर पर शादी का दबाव बनाने पर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एक फ्लाईओवर के पास रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक मृतक युवक की पहचान बड़गांव क्षेत्र निवासी विशाल (25) के रूप में हुई है। यह घटना आठ अप्रैल को बड़गांव थाना क्षेत्र में घटी थी। विशाल द्वारा आत्महत्या से पहले रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने के बाद इस मामले में नया मोड़ आया। वीडियो में विशाल ने कथित तौर पर कहा है कि उस पर अपनी विधवा भाभी से शादी करने का दबाव था, जो उससे लगभग 10 साल बड़ी है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान था। बड़गांव थाना प्रभारी अमित नागर ने बताया कि विशाल की मां सुदेश देवी की तहरीर के आधार पर शनिवार को मामला दर्ज किया गया है, जिसमें उन्होंने अपने बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पश्चिम बंगाल: संदेशखाली में महिला और बेटी के अधजले शव मिले, पति लापता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में एक घर में रखे संदूक में एक महिला और उसकी बेटी के अधजले शव मिले। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना की जानकारी शनिवार देर रात मिली और पुलिस ने रविवार सुबह शव बरामद किए। इस संबंध में एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''प्रथम दृष्टया, यह हत्या के बाद सबूत नष्ट करने के प्रयास का मामला प्रतीत होता है। हालांकि, घरेलू कलह या किसी अन्य मकसद सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।'' पुलिस ने बताया कि महिला का पति लापता है और उसकी तलाश जारी है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई, जिसके चलते कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तैनात की गई।

तृणमूल ने 'टुकड़े-टुकड़े' गिरोह का समर्थन किया : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि ''टुकड़े-टुकड़े'' गिरोह ने पूर्वोत्तर को देश के शेष भाग से अलग करने के लिए रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी थी, और तृणमूल कांग्रेस ने अपनी ''तुष्टिकरण की राजनीति'' के कारण सड़कों से लेकर संसद तक उन्हें समर्थन दिया।

पश्चिम बंगाल के उत्तरी शहर सिलीगुड़ी के कावाखाली मैदान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने तृणमूल कांग्रेस को ''आदिवासी विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी पार्टी बताया, जिसकी तुष्टिकरण की राजनीति ने राज्य को बदहाल कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया, ''देश में 'टुकड़े-टुकड़े' गिरोह सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी। वे पूर्वोत्तर को देश से अलग करना चाहते हैं। तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त तृणमूल कांग्रेस, सड़कों से लेकर संसद तक ऐसे लोगों का समर्थन करती है। यही तृणमूल का असली चेहरा है।''

इसे देश का रक्षा और समृद्धि का गलियारा बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र को बड़े पैमाने पर मजबूत और विकसित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने सिक्किम को सिलीगुड़ी से जोड़ने वाली निर्माणाधीन सेवोकरंगपो रेल लाइन का उदाहरण देते हुए इस विकास कार्य का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''यह परियोजना न केवल बंगाल और सिक्किम के बीच रेल संपर्क सुनिश्चित करेगी, बल्कि यह क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को भी मजबूत करेगी, जिसका सीधा लाभ दार्जिलिंग के युवाओं को मिलेगा।'' मोदी ने लोगों से 'डबल इंजन' सरकार के लिए वोट देने का आग्रह करते हुए कहा कि बंगाल में विकास की गति दोगुनी हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि तृणमूल सरकार ने मदरसों के विकास के लिए 6,000 करोड़ रुपए आवंटित किए, लेकिन पूरे उत्तर बंगाल के लिए अपर्याप्त धनराशि आवंटित की गई।

सही मायने में समावेशी शासन लाने के लिए भाजपा को वोट दें: आदित्यनाथ ने बंगाल में चुनावी रैली में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनामुखी (प. बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की नीति अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोगों से राज्य में ''डबल इंजन'' की सरकार के लिए मतदान करने की अपील की, ताकि वास्तव में एक समावेशी शासन व्यवस्था स्थापित हो सके।

बांकुड़ा जिले के सोनामुखी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि बंगाल को स्वामी विवेकानंद व रामकृष्ण परमहंस की भूमि के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने देश की आध्यात्मिकता को समृद्ध किया। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन तृणमूल कांग्रेस सरकार विश्व स्तर पर पूजनीय आध्यात्मिक प्रतीकों का अनादर करती है, जिससे राज्य की हिंदू पहचान को खतरा पैदा होता है। बंगाल अब 'गुंडागर्दी' का अड्डा बन गया है, जो उप्र में भाजपा के सत्ता में आने से पहले आम बात थी। उप्र में विकास और प्रगति की कमी थी, लेकिन अब बदलाव देखिए।'' योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में तुष्टीकरण नहीं, बल्कि ''समावेशी हिंदू धर्म'' है, जहां हर समुदाय सुरक्षित वातावरण में शांतिपूर्वक रह सकता है। उन्होंने कहा, ''हर महीने कर्फ्यू लगता था। लेकिन 2017 से, जब से उत्तर प्रदेश में भाजपा सत्ता में आई है, तब से न तो कर्फ्यू लगा है और न ही दंगे हुए हैं। सभी माफियाओं के साथ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाते हुए वही बर्ताव किया गया है, जिसके वे काबिल थे। अब उत्तर प्रदेश भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।'' योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि वंदे मातरम् ने भारतीयों में आध्यात्मिक जागृति पैदा की। भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के मूल्यों और आदर्शों का प्रचार-प्रसार हो और उनके योगदान को उचित तरीके से याद किया जाए।

भाजपा सरकार में किसान उपेक्षा का शिकार : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में किसान उपेक्षा का शिकार है और असमय बारिश, आंधी तथा ओलावृष्टि से प्रदेशभर में फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

सपा के राज्य मुख्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार यादव ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में गेहूं, सरसों और अन्य फसलों को काफी नुकसान हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मैनपुरी, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, हाथरस, अयोध्या, मेरठ, पीलीभीत, मथुरा, हरदोई, सोनभद्र और श्रावस्ती सहित अनेक जिलों का उल्लेख करते हुए कहा कि बारिश के कारण किसानों का गेहूं भीगकर खराब हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि फसलें गिरकर नष्ट हो गईं, लेकिन अब तक किसानों को कोई मुआवजा या राहत नहीं मिली है। मुख्यमंत्री और सरकार के अन्य मंत्री केवल खोखली घोषणाएं और हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर किसानों को कोई सहायता नहीं पहुंची है। सपा प्रमुख के अनुसार, फसल नुकसान के कारण किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। एक ओर खेती की बढ़ती लागत और दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाओं ने उनकी स्थिति और गंभीर बना दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की फसलों की खरीद नहीं हो रही है और उन्हें उचित मूल्य भी नहीं मिल रहा है। यादव ने आलू के किसानों की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें भी अपनी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाया, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने मंडियों की व्यवस्था को कमजोर कर दिया, जबकि पूर्ववर्ती सपा सरकार के दौरान नई मंडियों के निर्माण पर काम किया जा रहा था। भाजपा सरकार उद्योगपतियों के हित में कार्य कर रही है और किसानों की अनदेखी कर रही है। यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश का किसान आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगा।

आशा भोसले की आवाज ने कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया: मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को प्रख्यात गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी आवाज सिर्फ संगीत तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि एक ऐसी भावना थी जिसने कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया। माझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रख्यात गायिका आशा भोसले जी के निधन से मैं बहुत दुखी हूं। उनकी सदाबहार आवाज सिर्फ संगीत तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि एक ऐसी भावना थी जिसने कई पीढ़ियों को परिभाषित किया। उनका निधन अपूर्णीय क्षति है।'' माझी ने इस दुख की घड़ी में उनके परिजन, प्रशंसकों और संपूर्ण संगीत जगत के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

एआई, डिजिटल उपकरणों को न्यायिक तर्क को दरकिनार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए : न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने रविवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल उपकरणों का उपयोग केवल सहायक उपकरणों के रूप में किया जाना चाहिए और उन्हें न्यायिक तर्क को दरकिनार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय की ई-समिति द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, न्यायमूर्ति बिंदल ने ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म के उपयोग और डेटा की गोपनीयता के संभावित जोखिमों के संबंध में भी चिंता व्यक्त की। ये टिप्पणियां भारत सरकार के न्याय विभाग के सहयोग से सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति द्वारा 11-12 अप्रैल को आयोजित 'न्यायिक प्रक्रिया पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कार्य सत्र की अध्यक्षता करते हुए की गईं। विज्ञप्ति में है कि सम्मेलन को दो दिनों में पांच कार्य सत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक में तकनीकी एकीकरण और न्यायिक प्रक्रियाओं के पुनर्गठन के महत्वपूर्ण आयामों पर चर्चा की गई। इसमें कहा सम्मेलन के दूसरे दिन चौथे कार्यकारी संस्करण की अध्यक्षता करते हुए, न्यायमूर्ति बिंदल ने प्रौद्योगिकी की भूमिका को न्यायिक विकल्प के बजाय सहायक उपकरण के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल उपकरणों का उपयोग सहायक साधनों के रूप में किया जाना चाहिए और इन्हें न्यायिक तर्क को दरकिनार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सावन बरवाल ने शिवनाथ सिंह का मैराथन में 48 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोटरडैम (नीदरलैंड)/भाषा। सावन बरवाल ने रविवार को रोटरडैम एनएन मैराथन में भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम 48 साल पुराने राष्ट्रीय मैराथन रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रच दिया।

हिमाचल प्रदेश के इस लंबी दूरी के धावक ने दो घंटे 11 मिनट और 58 सेकंड का समय लेकर इस शीर्ष स्तर की मैराथन में 20वां स्थान हासिल किया और शिवनाथ सिंह के नाम 1978 से कायम दो घंटे 12 मिनट के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दूसरे भारतीय धावक गोपी थोनकल ने 42.195 किलोमीटर की दूरी दो घंटे 13 मिनट और 16 सेकंड में पूरी करके 23वां स्थान हासिल किया।

बरवाल की उपलब्धि इसलिए भी सराहनीय है क्योंकि रोटरडैम में आयोजित यह मैराथन उनकी पहली मैराथन थी। जनवरी में अमेरिका में आयोजित विश्व एथलेटिक्स क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भाग लेने के बाद यह इस सत्र की उनकी दूसरी प्रतियोगिता थी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के जोगिंदर नगर के एक गांव से ताल्लुक रखने वाले 28 वर्षीय बरवाल ने कई वर्षों तक कड़ी मेहनत की है और खुद को एक बेहतर लंबी दूरी के धावक के रूप में स्थापित किया है। बरवाल ने कहा कि आखिरी पांच किलोमीटर की दौड़ के दौरान मौसम काफी ठंडा था, जिससे सामंजस्य बिठाने में उन्हें परेशानी हुई। उन्होंने कहा, मौसम काफी ठंडा था। पानी के स्टेशन पर मैंने गलती से अपने सिर पर पानी डाल लिया। उन्होंने कहा, 37 किलोमीटर तक मैं आराम से दौड़ रहा था, लेकिन आखिरी दो किलोमीटर काफी मुश्किल भरे थे, क्योंकि मुझे फिनिश लाइन पार करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं दो घंटे 10 मिनट का समय निकालने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार था, लेकिन मुश्किल परिस्थितियों ने मुझे अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड और बेहतर करने से रोक दिया।

मोदी सरकार जातिगत गणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार जातिगत गणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को 'गुमराह' करने और 'बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी' करने के एजेंडे के साथ महिला आरक्षण कानून में संशोधन करना चाहते हैं।

कांग्रेस महासचिव (प्रभारी संचार)जयराम रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार यह कहकर अनुच्छेद 334-ए में संशोधन करना चाहती है कि जातिगत गणना के परिणाम कुछ वर्षों तक उपलब्ध नहीं होंगे,लेकिन वह इस तथ्य को नजरअंदाज कर रही है कि बिहार और तेलंगाना दोनों राज्यों ने छह महीने से भी कम समय में व्यापक जाति सर्वेक्षण पूरा कर लिया है।

अनुच्छेद 334-ए में यह प्रावधान किया गया है कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया के बाद महिलाओं के लिए संसद और विधानसभाओं में आरक्षण प्रभावी होगा।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार जातिगत गणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है।''

बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

सुलतानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में अज्ञात हमलावरों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना जिले के जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के बेलगरा गांव की है। इस घटना से परिवार में बेटी की शादी से पहले मातम छा गया है। पुलिस के अनुसार, वारदात शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजे हुई। उस समय विजय प्रताप सिंह (58) अपनी पत्नी के साथ घर के बाहर बरामदे में सो रहे थे। इसी दौरान हमलावरों ने उनके सिर में गोली मार दी। घटना में उनकी पत्नी बाल-बाल बच गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक विभाग की टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार विजय प्रताप सिंह पिछले लगभग तीन वर्षों से पैरालिसिस से पीड़ित थे और चलने-फिरने में असमर्थ थे। वह हाल ही में इलाज कराकर घर लौटे थे। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन जाग गए और शोर मचाया, लेकिन हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

प्रसिद्ध की शानदार गेंदबाजी से टाइटंस ने सुपर जायंट्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए।

अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया। गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 प्रारूप में यह बटलर का 100वां अर्धशतक है।

प्रिंस ने गिल को, तो वहीं शमी ने बटलर को आउट कर टाइटंस को सात गेंद के अंदर दो झटके देकर टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) और राहुल तेवतिया (नाबाद 10) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की औपचारिकता पूरी की।

शिवराज व कमाली बने राष्ट्रीय सर्फिंग चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवराज बाबू और कमाली मूर्ति ने रविवार को यहां हुए लिटिल अंडमान प्रो 2026 टूर्नामेंट में क्रमशः पुरुषों और महिलाओं का ओपन सर्फिंग खिताब जीत लिया।

शिवराज 13.63 के स्कोर के साथ राष्ट्रीय चैंपियन बने। उन्होंने श्रीकांत डी को सिर्फ 0.30 अंक के अंतर से हराया, जिनका स्कोर 13.33 रहा। किशोर कुमार 12.87 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे रहे जबकि संजय सेल्वमणि ने एक कड़े मुकाबले में 9.30 अंक बनाए।

महिलाओं के ओपन सर्फिंग फाइनल में कमाली का दबदबा देखने को मिला जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया। कमाली ने 15.83 का शानदार स्कोर बनाया और शुगर शांति बनारसे (11.64) को 4.19 के अंतर से हराया। पुरुषों के एसयूपी स्प्रिंट फाइनल में शेखर पचई ने चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 1:22.32 का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया।

महिलाओं के एसयूपी स्प्रिंट फाइनल में विजयलक्ष्मी इरुलाप्पन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1:40.35 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया।

सुविचार

आपकी सोच ही आपकी सीमाएं तय करती है। यदि आप बड़ा सोचेंगे, तभी बड़ा कर पाएंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घर चलाएं या बच्चे पढ़ाएं?

इन दिनों देश के कई इलाकों में अभिभावक निजी स्कूलों की महंगी किताबों और फीस वृद्धि का मुद्दा उठा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इसकी बड़ी चर्चा है। लोग पूछ रहे हैं– 'इतनी महंगाई में हम घर चलाएं या बच्चे पढ़ाएं?' कई परिवारों के पास तो बचत के नाम पर कुछ नहीं है। पूरी धनराशि बच्चों की पढ़ाई और घर की सामान्य जरूरतों पर खर्च हो जाती है। हर साल अभिभावक आक्रोश प्रकट करते हैं, लेकिन परिस्थितियां नहीं बदलतीं। इतना जरूर हो सकता है कि सरकार के हस्तक्षेप के बाद निजी स्कूल फीस थोड़ी कम कर दें। अगले साल फिर ये ही नजारे देखने को मिलते हैं। अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए निजी खर्चों में कटौती कर किसी तरह संतुलन साधने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं लेतीं। क्या बच्चों को पढ़ाने का यही एक तरीका है? क्या कोई ऐसी व्यवस्था नहीं हो सकती, जो अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करे और जेब को राहत भी दे? अभिभावक निजी स्कूलों की महंगी किताबों, फीस वृद्धि का मुद्दा तो उठाते हैं, लेकिन वे सरकारी स्कूलों की हालत सुधारने के लिए न तो बात करते हैं और न जनप्रतिनिधियों पर दबाव डालते हैं। कितने लोग अपने विधायक, सांसद को सरकारी स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने, पढ़ाई का स्तर सुधारने के लिए पत्र लिखते हैं? कुछ लोग कह सकते हैं– 'एक–दो लोगों के लिखने से क्या होगा?' समस्याओं का सामना सिर्फ एक–दो लोग तो नहीं कर रहे हैं! जब ज्यादातर लोगों को दिक्कत हो रही है तो उन सबको आवाज उठानी चाहिए। जनप्रतिनिधियों के पास हजारों पत्र पहुंचेंगे तो उनकी मांग की ओर ध्यान देना पड़ेगा।

ऐसे कई लोग सोशल मीडिया के जरिए अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक व्यक्ति के यूट्यूब चैनल से हजारों लोग जुड़ चुके हैं। उन्होंने अपने घर में एक कमरा इसी कार्य के लिए निर्धारित कर रखा है। उनके दो बच्चे सुबह उठकर उसी तरह तैयार होते हैं, जैसे अन्य बच्चे स्कूल जाने के लिए तैयार होते हैं।

देश में सरकारी स्कूलों की घोर उपेक्षा की गई। लोगों ने भी उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया। वे जितने रुपए महंगी किताबों, ऊंची फीस पर खर्च करते हैं, उसका एक चौथाई भी सरकारी स्कूलों की हालत सुधारने पर खर्च कर दें तो साल–दो साल में बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है। यह कहना सही नहीं है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती। कुछ सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर काफी अच्छा है। अगर लोग और जनप्रतिनिधि आगे आकर संसाधन जुटाएं, उनके परिणामों पर नजर रखें तो हर सरकारी स्कूल का प्रदर्शन बहुत बेहतर हो सकता है। आज कई सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां विद्यार्थियों की संख्या 10 से भी कम है। सरकार शिक्षकों के वेतन–भत्तों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। इसके बावजूद यह स्थिति क्यों है? सरकारी नौकरी सब चाहते हैं, लेकिन सरकारी स्कूल कितने लोग चाहते हैं? हाल के वर्षों में 'होम स्कूलिंग' का चलन बढ़ा है। इसके तहत बच्चों को घर में ही शिक्षा दी जाती है। ऐसे कई लोग सोशल मीडिया के जरिए अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक व्यक्ति के यूट्यूब चैनल से हजारों लोग जुड़ चुके हैं। उन्होंने अपने घर में एक कमरा इसी कार्य के लिए निर्धारित कर रखा है। उनके दो बच्चे सुबह उठकर उसी तरह तैयार होते हैं, जैसे अन्य बच्चे स्कूल जाने के लिए तैयार होते हैं। माता–पिता उन्हें शिक्षक की तरह सारे विषय पढ़ाते हैं। तय समय पर भोजनावकाश होता है। उसके बाद वापस पढ़ाई शुरू हो जाती है। वे बच्चों को संगीत, भाषण कला, अबेकस सीखने के लिए प्रशिक्षण दिलाने के बारे में सोच रहे हैं। साथ ही, दैनिक जीवन से संबंधित कामकाज सिखा रहे हैं। जब बच्चे बड़े हो जाएंगे तो बोर्ड की परीक्षा दिला देंगे। तब तक वे बच्चों को आत्मनिर्भर बना देंगे। होम स्कूलिंग आसान नहीं है, लेकिन इसने अभिभावकों को एक विकल्प जरूर दे दिया है।

ट्वीटर टॉक

आशा भोसले जी के गुज़र जाने से बहुत दुख हुआ, वे भारत की सबसे मशहूर और वर्सेटाइल आवाज़ों में से एक थीं। दशकों तक चले उनके ज़बरदस्त म्यूज़िकल सफ़र ने हमारी कल्चरल विरासत को बेहतर बनाया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ।

–नरेन्द्र मोदी

रायसेन कृषि मेले में हर तरह की मशीनें आई हैं। उनमें से एक है 'स्वराज कोड'। यह मशीन बागवानी फसलों में निराई–गुड़ाई और मिट्टी को ढीला करने के साथ–साथ कीटनाशक का छिड़काव भी करती है। साथ ही, यह रीपर का भी काम करती है।

–शिवराजसिंह चौहान

मशहूर सिंगर आशा भोसले जी का जाना बहुत दुख की बात है। पद्म विभूषण और दादा साहेब फाल्के जैसे बड़े अवॉर्ड से सम्मानित आशा जी ने लंबे समय तक भारतीय कला की दुनिया को बेहतर बनाने में बेमिसाल भूमिका निभाई।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

धैर्य की जड़ें

कई वर्षों की साधना के बावजूद सिद्धि हासिल न कर सकने वाले शिष्य ने निराश होकर अपनी शंका गुरु के सामने रखी। गुरु ने शिष्य की चिंता को महसूस करते हुए सभी शिष्यों के सामने धैर्य के महत्व को बताया। गुरु ने शिष्यों से कहा जब जमीन में चीनी बांस का बीज बोया जाता है तो वह कई वर्षों तक जमीन में अंकुरित नहीं होता। ऐसा नहीं कि वह अंकुरण की प्रक्रिया में नहीं होता। वह कई वर्षों तक अपनी जड़ों को गहरा कर रहा होता है। वह पांचवें वर्ष तक अंकुरित होता है और कुछ ही सप्ताह में वृक्ष का रूप ले लेता है। दरअसल, समय के साथ–साथ उसकी जड़ें गहरी होती हैं तो उसे आंधी–तूफान में टिके रखने का सामर्थ्य मिलता है। इसी तरह जब हम साधना में एकाग्र होकर गहरे उतरते हैं तो सिद्धि हासिल कर पाते हैं। धैर्य की जड़ें हमारी सफलता का मार्ग सुनिश्चित करती हैं।

सामयिक

सुरों की बारिश थम गई, आशा फिर भी भीगती रही

कृति आरके जैन

आज जब उनकी धुनें स्मृतियों में गूंजती हैं, तो नई पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कला समय की सीमाओं से परे होती है और स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे केवल रूप बदलकर सदा जीवित रहते हैं।

आज का संगीत संसार एक ऐसी रिक्तता के सामने खड़ा है, जिसे शब्दों में समेटना कठिन है। आशा भोसले के निधन ने भारतीय संगीत की उस धड़कन को मौन कर दिया है, जो कई पीढ़ियों की भावनाओं में जीवित रही। 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि एक युग का शांत हो जाना है। फेफड़ों के संक्रमण, थकान और बढ़ती उम्र ने शरीर को दुर्बल किया, पर उनकी स्वर–छवि स्मृतियों में अमर है। ओ. पी. नैय्यर से लेकर आर. डी. बर्मन तक, उनकी गायकी ने हर दौर को नई पहचान और रंग दिया। इस शोक में भी ऐसा लगता है मानो उनकी धुनें अब भी हवा में तैर रही हों–जैसे संगीत उन्हें पूरी तरह विदा करने को तैयार न हो।

बचपन की कठिनाइयों से उभरकर आशा ने संगीत को ही अपना सहारा बना लिया। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में मंगेशकर परिवार में जन्मी आशा केवल नौ वर्ष की थीं, जब उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इसके बाद परिवार मुंबई आ गया, जहाँ अभाव और संघर्ष के बीच उन्होंने बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ संगीत की शिक्षा ली। सोलह वर्ष की आयु में 1949 में उन्होंने गणपतराव भोसले से विवाह किया, जिसे परिवार की स्वीकृति नहीं मिली, फिर भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने संकल्प को बनाए रखा। 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गीत 'सावन आया' से उन्होंने पार्श्वगायन की शुरुआत की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक संगीत यात्रा बनी। यह शुरुआत एक ऐसी सशक्त आवाज़ का उदय थी, जिसने भारतीय सिनेमा संगीत को नई दिशा और पहचान दी।

उनके करियर में सफलता और ऊँचाइयों की श्रृंखला मिलती है। ओ. पी. नैय्यर के साथ गीतों में चंचलता उभरी, जबकि आर. डी. बर्मन के साथ उन्होंने प्रयोगधर्मिता का नया दौर शुरू किया। 'तीसरी मंजिल' का 'आजा आजा', 'हरे राम हरे कृष्णा' का 'दम मारो दम' और 'उमराव जान' का दिल चीज क्या है' भारतीय संगीत की पहचान बन गए। उन्होंने 12,000 से अधिक गीत हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल और गुजराती सहित कई भाषाओं में गाए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उन्हें सबसे अधिक गीत रिकॉर्ड करने वाली गायिका का दर्जा मिला। शंकर–जयकिशन, खय्याम, इलैयाराजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ उनकी आवाज़ ने नया जादू रचा। वे केवल पार्श्वगायिका नहीं, बल्कि एक स्वर–शक्ति थीं, जिसने हर शैली को नया रूप दिया।

व्यक्तिगत जीवन में आशा भोसले ने कई संघर्षों का सामना किया, जिसने उन्हें सशक्त बनाया। कम उम्र में विवाह, पारिवारिक असहमति और बाद में वैवाहिक अलगाव ने उनके जीवन को प्रभावित किया, फिर भी बच्चों–हेमंत, वर्षा और आनंद–की जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने संगीत से दूरी नहीं बनाई। 1980 के आसपास आर. डी. बर्मन के साथ उनके संबंधों ने उनके जीवन में भावनात्मक मोड़ जोड़ा, जिसकी चर्चा हुई। बहन लता मंगेशकर के साथ संबंधों में उतार–चढ़ाव रहे, लेकिन संगीत ने उन्हें हमेशा जोड़े रखा। उन्होंने आशा' नाम से रेस्तरां श्रृंखला शुरू की, जिसने दुबई से दोहा तक पहचान बनाई। 2013 में फिल्म 'माई' से उन्होंने अभिनय में भी कदम रखा। उनका यह बहुआयामी व्यक्तित्व उन्हें एक सशक्त और प्रेरक हस्ती बनाता है।

आशा भोसले को उनके योगदान के लिए पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, सात फिल्मफेयर और दो राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले। उन्होंने भजन, ग़ज़ल, पॉप और वेस्टर्न संगीत में भी अपनी सशक्त आवाज़ दी, जिससे उनका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक पहुँचा। 'ये मेरा दिल' जैसे गीतों में हेलेन के लिए उनकी गायकी ने अलग पहचान बनाई, वहीं 'लगान' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी उपस्थिति ने नई ऊर्जा दी। कॉर्नरशॉप के ब्रिमफुल ऑफ आशा' और क्रोनोस क्वार्टेट के साथ सहयोग ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट स्थान दिलाया। उनकी सॉप्रानो आवाज़ ने भारतीय संगीत की सीमाएँ लांघकर विश्व संगीत में भी अमिट छाप छोड़ी। वे हर शैली में सहज रहीं और हर प्रयोग को सफलता में बदलती रहीं।

जीवन के अंतिम वर्षों में भी आशा भोसले पूरी तरह सक्रिय रहीं। उन्होंने डिजिटल मंचों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई और यूट्यूब के माध्यम से नई पीढ़ी से सीधा संवाद स्थापित किया। 2026 में गोरिलाज जैसे अंतरराष्ट्रीय समूह के साथ उनका अंतिम सहयोग उनकी प्रयोगधर्मिता और नवाचार के प्रति समर्पण का सशक्त प्रमाण बना। उनकी पोती जनाई भोसले भी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे यह धरोहर पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित है। उनकी विरासत केवल परिवार तक सीमित नहीं रही, बल्कि संपूर्ण भारतीय संगीत जगत में व्यापक रूप से फैली हुई है।

आज जब उनकी धुनें स्मृतियों में गूंजती हैं, तो नई पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कला समय की सीमाओं से परे होती है और स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे केवल रूप बदलकर सदा जीवित रहते हैं। आशा भोसले का जाना केवल एक कलाकार की विदाई नहीं, बल्कि भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान है। फिर भी यह अंत पूर्ण नहीं, क्योंकि उनके गीत समय के साथ अमर रहेंगे। जब भी कोई पुराना गीत गूंजता है, उनकी आवाज़ फिर वातावरण में जीवंत हो उठती है। संघर्ष, नवाचार और समर्पण के बल पर उन्होंने सिद्ध किया कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा है। आज देश और दुनिया भर में उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जा रहा है। उनका नाम आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। आशा भोसले–एक स्वर–आत्मा, जो समय से परे जाकर भी अमर है और सुरों की दुनिया में सदा प्रकाश बनकर चमकती रहेगी।

विशेष

जलियांवाला बाग : खून से लिखी आजादी की दास्तां

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

जलियांवाला हत्याकांड को आज 107 साल पूरे हो चुके है लेकिन इसकी याद आज भी हमारी आंखों को नम कर जाती है। भारतीय इतिहास में 13 अप्रैल 1919 उन तारीखों में से एक है जो अंग्रेजों के अमानवीय चेहरे को सामने ला देता है। उस दिन बैशाखी थी, लोगों के बीच खुशी का माहौल था। इस तारीख को भारत के इतिहास में काले दिन के रूप में भी याद किया जाता है। जलियांवाला बाग, ब्रिटिश शासन काल दौरान हुए सबसे कुख्यात नरसंहार की कहानी बयान करता है। दुनियाभर में आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर करने के एक से बढ़कर एक उदाहरण हैं। लेकिन भारत में जालियांवाला बाग की घटना अपनी आजादी के लिए शहीद होने की विश्व की सबसे बड़ी और क्रूर घटना के रूप में इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज है। घटना का ब्योरा सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह एक अंग्रेज जनरल के क्रूरता की हद पार कर जाने की दास्तां हैं। यह दिन दुनिया के भीषणतम नरसंघारों में से एक है। एक सभ्य समाज के मुंह पर जोरदार तमाचा है जो कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले निहत्थे लोगों को घेर कर मारने का यह एक घिनोना षड़यंत्र था।

देश की आजादी के इतिहास में 13 अप्रैल का दिन एक दुखद घटना के रूप में दर्ज है। वह 13 अप्रैल 1919 का दिन था, जब जलियांवाला बाग में एक शांतिपूर्ण सभा के लिए जमा हुए हजारों नागरिकों पर अंग्रेज हुक्मरान ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थीं। ये सभी जलियांवाला बाग में रौलट एक्ट के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पंजाब के अमृतसर में ऐतिहासिक स्वर्ण मंदिर के नजदीक जलियांवाला बाग नाम के इस बगीचे में अंग्रेजों की गोलीबारी से घबराई बहुत सी औरतें अपने बच्चों को लेकर जान बचाने के लिए कुएं में कूद गईं। निकास का रास्ता संकरा होने के कारण बहुत से लोग भगदड़ में कुचले गए और हजारों लोग गोलियों की चपेट में आए। यह नरसंहार भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास का एक काला अध्याय है। बैसाखी के दिन 13 अप्रैल 1919 को ऐतिहासिक जलियांवाला बाग में एक बड़ी सभा रखी गई थी । शहर में कर्फ्यू लगा हुआ था, फिर भी इसमें बहुत बड़ी संख्या में नर नारी ऐसे भी थे, जो बैसाखी के मौके पर परिवार के साथ मेला देखने और शहर घूमने आए थे और सभा की खबर सुन कर वहां जा पहुंचे थे। जब नेता बाग में भाषण दे रहे थे तभी अँगरेज जनरल डायर ने बाग से निकलने के सारे रास्ते बंद करवा दिए। बाग में जाने का जो एक रास्ता खुला था जनरल डायर ने उस रास्ते पर हथियारबंद गाड़ियां खड़ी करवा दी थीं। डायर करीब 100 सिपाहियों के सीथ बाग के गेट तक पहुंचा। उसके 50 सिपाहियों के पास बंदूकें थीं। वहां पहुंचकर बिना किसी चेतावनी के उसने गोलियां चलवानी शुरु कर दी। गोलीबारी से डरे मासूम बाग में स्थित एक कुएं में कूदने लगे। जिसे अब शहीदी कुआं कहा जाता है इस नरसंहार में हजारों लोग मारे गए थे लेकिन ब्रिटिश सरकार के आंकड़ें में सिर्फ 379 की हत्या दर्ज की गई। जलियांवाला बाग में कितने लोग शहीद हुए, इसका विवरण आज तक सरकार व प्रशासन जुटा नहीं पाया। इस घटना के प्रतिकार स्वरूप सरदार उधमसिंह ने 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में इस घटना के समय ब्रिटिश लेफ्टिनेण्ट गवर्नर डायर को गोली चला के मार डाला। उन्हें 31 जुलाई 1940 को फांसी पर चढ़ा दिया गया था। इस घटना ने भारत के आजादी की नींव रख दी।

नजरिया

विदेशों में बुजुर्गों की स्थिति दयनीय

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

बुजुर्गों के अकेलेपन की समस्या वैश्विक रूप धारण कर चुकी है। भारत सहित चीन, जापान, स्वीटजरलैंड, अमेरिका फ्रांस कनाडा और ब्रिटेन में बुजुर्गों की स्थिति अकेलेपन के कारण दयनीय हो गई है। जापान तथा स्विटजरलैंड में इच्छा मृत्यु लेने वालों की संख्या बढ़ गई। स्विटजरलैंड,जापान में तो कई केंद्र ऐसे हैं जिनमें इच्छा मृत्यु धारण करने के वाले बुजुर्गों को वहां अलविदा कहकर भेज दिया जाता है। यह स्थिति मानवता के लिए अत्यंत चिंता करने वाली है। मैंने स्वयं अपनी स्वीटजरलैंड, अमेरिका तथा ब्रिटेन की यात्रा के दौरान देखा है कि वहां के बुजुर्ग वहां के बाग बगीचों में टहलने की बजाय किताब या उपन्यास पढ़ते हैं और वहां कई इच्छा मृत्यु केंद्र (हॉस्पिटल) भी देखे हैं जहां बुजुर्ग स्त्री पुरुष स्वयमेव जाकर भरती होते हैं और इंजेक्शन लगवाकर इच्छा मृत्यु धारण कर लेते हैं वहां का यह प्रचलन अत्यंत दारुणिक और मार्मिक है। स्विटजरलैंड और अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में भारत में अभी ओल्ड एज होम यानी वृद्ध आश्रम का चलन उस रफ्तार से नहीं बढा है, जितना यूरोपीय देशों में इसका चलन बुजुर्गों के लिए ऐच्छिक बन चुका है। वहां पर लगभग 40प्रतिशत बुजुर्गों को ओल्ड एज होम भेज दिया जाता है।

भारत के संदर्भ में अभी भी बुजुर्गों को संयुक्त परिवार में काफी वरीयता दी जाती है किंतु जिन परिवारों में बुजुर्गों की संतानें एकल परिवार वाली होती हैं वहां निश्चित तौर पर बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम भेजने की तैयारी कर ली जाती है। पहले बुजुर्ग अपने नाती पोतों के साथ खेल कर उन्हें दादी नानी की कहानी सुना कर अपना बुढ़ापा गुजार लिया करते थे किंतु अब छोटे बच्चों को शिक्षा हेतु बाहर व्यावसायिक स्कूलों में भेज दिया जाता है जिससे बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं। संतानों के पास अपनी नौकरियों तथा व्यवसाय के कारण बुजुर्गों से बात करने का समय नहीं होता, नतीजतन बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं और अनेक बीमारियों के शिकार होने लगे हैं। भारत में आधुनिकता की होड़ ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए, ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है और परिवार में स्त्री पुरुष के नौकरी करने के कारण बच्चे या तो बुजुर्गों के साए में परवरिश के लिए बाध्य हैं अथवा उनकी देखरेख आया बाइयों के भरोसे पर निर्भर हो गई है। बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की असंवेदनशीलता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों, पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाती है।

देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित है। वे वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करें। इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी। भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है।

देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित है। वे वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करें। इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी। भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है। भारत के नौजवान बुजुर्ग और बच्चे बड़ी तादाद में मौजूद हैं उन सब की रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। खास तौर पर बुजुर्गों की जो शारीरिक रूप से कमजोर एवं अक्षम होते हैं उनकी तरफ विशेष ध्यान देकर हमें उनकी रक्षा करनी होगी यह हमारा प्रथम दायित्व होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

क्या शादी से कैंसर से बचाव होता है? इससे सबसे अधिक लाभ किसे होता है?

कैंब्रिज/एजेन्सी

शादी का एक ऐसा प्रभाव भी हो सकता है जिसका जिक्र कोई भी शादी के वचनों में नहीं करता। इससे जुड़े एक अध्ययन में कहा गया है कि जिन लोगों की शादी हो चुकी है, उनमें कैंसर होने की संभावना उन लोगों की तुलना में कम होती है जिन्होंने कभी शादी नहीं की है।

यह एक नए बड़े अध्ययन का चौंकाने वाला निष्कर्ष है जिसने इस बारे में दिलचस्प सवाल खड़े किए हैं कि आखिर जीवनभर हमें वास्तव में स्वस्थ बनाए रखने वाली चीजें क्या हैं। यदि आंकड़ों में शादी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जा रहा है, तो असली सवाल यह उठता है कि इसका कारण क्या है–क्या यह पति–पत्नी के बीच का प्यार है, विवाह का कानूनी बंधन है, या फिर इसके पीछे कोई और गहरा सामाजिक या जीवनशैली से जुड़ा कारण है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने अमेरिका के 12 राज्यों की बड़ी आबादी के आंकड़ों का विश्लेषण किया, जिसमें 40 लाख से अधिक वयस्क शामिल थे, ताकि व्यापक स्तर पर कैंसर के मामलों और उससे जुड़े रुझानों को समझा जा सके। उन्होंने 2015 और 2022 के बीच 30 वर्ष की आयु के बाद निदान किए गए कैंसर पर ध्यान केंद्रित किया – यह एक आधुनिक तस्वीर है जो ऐसे युग में ली गई है जब समलैंगिक विवाह पूरे देश में कानूनी है, इसलिए विवाह में पहले से कहीं अधिक लोग शामिल हैं।

एक वे लोग जो विवाहित थे या कभी विवाहित रह चुके थे, जिनमें तलाकशुदा और विधवाएं भी शामिल थीं, और दूसरे वे लोग जिन्होंने कभी विवाह नहीं किया। लगभग हर पांच में से एक वयस्क इस ''कभी शादी न करने वाले'' समूह में शामिल पाया गया, जिसकी सेहत को पारंपरिक परिवार–केंद्रित शोध में अक्सर नजरअंदाज किया गया है।

जब शोधकर्ताओं ने आंकड़ों की तुलना की, तो अंतर को नजरअंदाज करना असंभव था। जिन पुरुषों ने कभी शादी नहीं की थी, उनमें शादी कर चुके पुरुषों की तुलना में कैंसर होने की संभावना लगभग 70 प्रतिशत अधिक थी, जबकि जिन महिलाओं ने कभी शादी नहीं की थी, उनमें शादी कर चुकी महिलाओं की तुलना में कैंसर होने की संभावना लगभग 85 प्रतिशत अधिक थी। यह अंतिम आंकड़ा विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि पहले के कई अध्ययनों में यह कहा गया था कि पुरुषों को महिलाओं की तुलना में विवाह से अधिक फायदा होता है। यहां, महिलाओं को कम से कम उतना ही, या उससे भी अधिक लाभ होता प्रतीत होता है। हर तरह के कैंसर के लिए यह अंतर एक जैसा नहीं था तथा यहीं से कहानी और भी अधिक खुलासा करने वाली बन जाती है।

भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज रविवार को नई दिल्ली में दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

विशेषाधिकार कार्यवाही : हास्य कलाकार कामरा ने इंदिरा गांधी पर बने बाल ठाकरे के कार्टून की याद दिलाई

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा द्वारा अपने खिलाफ की गई कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए स्टैंड–अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना करने वाले बाल ठाकरे के कार्टून का हवाला देते हुए तर्क दिया कि शिवसेना के दिवंगत संस्थापक को कभी विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही का सामना नहीं करना पड़ा।

कामरा को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधने वाले उनके व्यंग्य को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया गया है।शिंदे अपने बारे में दावा करते रहे हैं कि वह बाल ठाकरे की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

कॉमेडियन ने विधानसभा की विशेषाधिकार समिति को सौंपा गया अपने हालिया लिखित जवाब का एक 'स्क्रीनशॉट' सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। इसमें उन्होंने राज्य मंत्री और शिवसेना नेता प्रताप सरनाइक की टिप्पणियों के जवाब में बाल ठाकरे का कार्टून भी शामिल किया।विशेषाधिकार कार्यवाही पर प्रतिक्रिया देते हुए सरनाइक ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ''कुणाल कामरा चाहे कुछ भी कहें, विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव विधानसभा सदस्यों द्वारा एक समिति को भेजा गया है और वह उस समिति के माध्यम से अपना बयान दे रहे हैं।''

प्रचार

बर्धमान दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मौमिता बिस्वास मिश्रा रविवार को पूर्व बर्धमान जिले में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले डोर–टू–डोर चुनाव प्रचार के दौरान समर्थकों से बातचीत करती हुईं।

अर्चना पूरन सिंह ने दी 'कंजूसी' पर सफाई

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर सितारे अपनी फिल्मों और ग्लैमर को लेकर चर्चा में रहते हैं लेकिन कभी–कभी उनकी छोटी–छोटी आदतें भी लोगों के दिल को छू जाती हैं। इसी तरह का एक दिलचस्प पल 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में देखने को मिलेगा। इस एपिसोड में अर्चना पूरन सिंह अपनी एक ऐसी आदत के बारे में खुलकर बात करती नजर आएंगी, जिसे लोग अक्सर कंजूसी समझ लेते हैं। शो के दौरान अर्चना पूरन सिंह ने कहा, जब मैं किसी रेस्टोरेंट में जाती हूं, तो वहां मिलने वाले बड़े टिश्यू पेपर को पूरा इस्तेमाल किए बिना फेंकने के बजाय उसे संभालकर रख लेती हूं, ताकि बाद में उसे फिर से किसी काम में लिया जा सके, जैसे मेकअप हटाने या कुछ साफ करने के लिए। हालांकि मेरी इस आदत को लोग कंजूसी समझ लेते हैं जबकि यह चीजों को बर्बाद होने से बचाने की कोशिश है। अर्चना ने कहा, मैं पुरानी चीजों को फेंकने में विश्वास नहीं रखतीं। अगर कोई चीज पुरानी हो जाती है, तो उसे किसी नए तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, पुराने कपड़ों से झाड़न या पोछा बनाया जा सकता है। मेरे पास आज भी 25 से 30 साल पुराने कपड़े हैं। लोग मुझे अक्सर सलाह देते हैं कि मैं इन कपड़ों को फेंक दूं क्योंकि फैशन बदल रहा है, लेकिन मेरा मानना है कि फैशन कभी पूरी तरह खत्म नहीं होता बल्कि समय के साथ वापस लौट आता है। इसलिए मैं पुराने कपड़ों को संभालकर रखना ही बेहतर समझती हूं। इसी एपिसोड में बातचीत के दौरान अक्षय कुमार अपने पुराने संघर्ष के दिनों को याद करते हैं। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा था जब वह और अर्चना के पति परमीत सेठी दोनों साथ में काम की तलाश में भटकते थे।

अक्षय ने कहा, हम दोनों मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई के ऑफिस के बाहर घंटों बैठकर मौके का इंतजार किया करते थे। उस समय हमारे पास काम नहीं था और भविष्य की चिंता सताती रहती थी लेकिन उन मुश्किल दिनों में भी उम्मीद और दोस्ती बनी रही। वह समय भले ही संघर्ष भरा था लेकिन आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वही दिन सबसे यादगार लगते हैं।

विरोध

द्वारका में कथित तौर पर कार की टक्कर से जान गंवाने वाले 23 साल के साहिल की मां हेना, रविवार, 12 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर न्याय की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान समर्थकों के साथ।

फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है : पूजा हेगड़े

चेन्नई/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर–कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इससे सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे। वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर–कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रोडक्शन हाउस ने आम जनता को सलाह दी कि लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे शेयर करें। अगर किसी को ऐसे कंटेंट मिले तो उसे तुरंत डिलीट कर दें। 'जन नायकन' एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जो थलापति विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर एच. विनोद हैं।

नुशरत भरुचा की 'छोरी 2' ने डर को सामाजिक संदेश में बदलते हुए एक मजबूत भविष्य की नींव रखी

मुंबई/एजेन्सी

हॉरर जॉनर में जहां ज्यादातर फिल्में आपको डर के मारे उछलने और पल भर के रोमांच पर टिकी होती हैं, वहीं हॉरर को सामाजिक मुद्दों को सामने लाने के एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल करते हुए 'छोरी' फ्रेंचाइज़ी ने चुपचाप अपनी एक अलग पहचान बनाई। नुशरत भरुचा के शानदार अभिनय से सजी फिल्में, 'छोरी' और 'छोरी 2', पारंपरिक कहानी कहने के तरीके से आगे बढ़ती हैं। ये फिल्में समाज में गहराई से जड़े मुद्दों को न सिर्फ छूती हैं, बल्कि उन्हें इस तरह पेश करती हैं, जो एक साथ दिलचस्प और असहज दोनों लगते हैं। गौरतलब है कि पहली फिल्म 'छोरी' जहां लैंगिक भेदभाव और लड़कों को प्राथमिकता देने जैसी मानसिकता पर निर्भर रहते हुए अपनी मजबूत सामाजिक बात के लिए अलग नजर आई, वहीं 'छोरी 2' ने कहानी को और आगे बढ़ाते हुए एक ज्यादा डार्क और जटिल इमोशनल स्पेस में प्रवेश किया।

इन दोनों फिल्मों ने इन सामाजिक मुद्दों को किसी उपदेश की तरह नहीं दिखाया, बल्कि हॉरर के जरिए इन प्रथाओं के डर और परिणामों को और प्रभावी बनाया। विशेष रूप से 'छोरी 2' ने डर, मातृत्व और संघर्ष जैसे विषयों को और गहराई से एक्सप्लोर करने के साथ–साथ सामाजिक वास्तविकताओं से अपना जुड़ाव भी बनाए रखा। इसने अपने मूल संदेश को छोड़ा नहीं, बल्कि उसे और आगे बढ़ाया, जिससे कहानी में दोहराव नहीं बल्कि एक निरंतरता महसूस हो। इस फ्रेंचाइज़ी की सबसे बड़ी खासियत इसका संतुलन है। इसमें हॉरर मौजूद है, लेकिन वह कहानी पर हावी नहीं होता। बल्कि वह कहानी को सपोर्ट करता है, जिससे सामाजिक संदेश ज्यादा प्रभावशाली और सहज तरीके से सामने आता है, न कि उपदेशात्मक ढंग से। यही बात 'छोरी' को उस जॉनर में अलग बनाती है जहां अक्सर कहानी पीछे छूट जाती है। हालांकि दोनों ही फिल्मों में नुशरत भरुचा की मौजूदगी एक निरंतरता और भावनात्मक जुड़ाव देती है। उनके किरदार का सफर पूरी कहानी को जोड़ता है, जिससे दर्शक सिर्फ डर ही नहीं, बल्कि कहानी में भी विश्वास करते हैं। आज के बदलते कंटेंट माहौल में, जहां दर्शक गहराई वाली कहानियों के लिए ज्यादा खुले हैं, वहां 'छोरी' और 'छोरी 2' प्रासंगिक महसूस होती है।

यह दिखाती है कि हॉरर को सिर्फ मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि असहज सच्चाइयों को उजागर करने के एक माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि वर्तमान परिवेश में देखें तो जिस तरह 'छोरी' और 'छोरी 2' ने अपनी दुनिया को आकार दिया है, उससे साफ है कि कहानी आगे भी बढ़ सकती है। अगर 'छोरी 3' बनती है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि यह कहानी किस दिशा में जाती है और किन नए पहलुओं को सामने लाती है। फिलहाल, 'छोरी 2' के एक साल बाद, यह फ्रेंचाइज़ी इस बात की मिसाल है कि जब हॉरर के पीछे एक मजबूत उद्देश्य हो, तो उसका असर सिर्फ डर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह लंबे समय तक याद भी रहता है।

आशा भोसले: शोखी से उदासी तक हर एहसास की आवाज हुई खामोश

लता और आशा- दोनों ऐसी आवाजें थीं, जिन्होंने पूरे उपमहाद्वीप पर राज किया और ऐसी साझा पहचान बनाई, जो सीमाओं से परे थी। यह संयोग ही है कि संगीत के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाली दोनों बहनों ने 92 वर्ष की आयु में ही दुनिया को रविवार के दिन अलविदा कहा।

मुंबई/भाषा

शोख गीतों से लेकर उदासी भरे नगमों तक और पॉप से लेकर गजलों तक, हर विधा के संगीत को अपने सुरों से अमर करने वाली आशा भोसले के निधन के साथ ही भारतीय संगीत की वह बहुरंगी आवाज खामोश हो गई, जिसने पीढ़ियों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया। अपनी अनूठी आवाज से हिंदी पार्श्व गायन में अलग मुकाम हासिल करने वाली दिग्गज गायिका आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। आशा भोसले ने अपनी बहन एवं महान गायिका लता मंगेशकर की छाया में रहकर अपनी अलग पहचान बनाई थी। दोनों बहनों ने मिलकर करीब सात दशक तक हिंदी पार्श्वगायन को अपने सुरों से समृद्ध किया और एक ऐसे भारत की पहचान बनीं, जो बदलते समय के साथ दुनिया से कदमताल कर रहा था।

लता और आशा– दोनों ऐसी आवाजें थीं, जिन्होंने पूरे उपमहाद्वीप पर राज किया और ऐसी साझा पहचान बनाई, जो सीमाओं से परे थी। यह संयोग ही है कि संगीत के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाली दोनों बहनों ने 92 वर्ष की आयु में ही दुनिया को रविवार के दिन अलविदा कहा। बड़ी बहन लता मंगेशकर को पहले शोहरत मिली, लेकिन जिंदादिल आशा ने भी जल्द ही अपनी अलग जगह बना ली और अपनी जीवंतता एवं अद्भुत बहुमुखी प्रतिभा से संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। आशा भोसले ने 2023 में अपने 90वें जन्मदिन से पहले 'पीटीआई–भाषा' से कहा था, हमारी सांस नहीं होती, तो आदमी मर जाता है। मेरे लिए संगीत मेरी सांस है। मैंने अपनी जिंदगी इसी सोच के साथ बिताई है। रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाली आशा भोसले की बहुरंगी आवाज ने एक ओर जहां श्रोताओं को 'आजा, आजा' जैसे जोशीले गीत पर थिरकने को मजबूर किया, तो दूसरी ओर 'जुस्तजू जिसकी थी' जैसे शास्त्रीय विधा वाले गीतों के साथ उन्हें भावनाओं की गहराई में उतारा। उन्होंने दोनों तरह के गीतों को समान सहजता से निभाया।

आशा भोसले को संगीत की दुनिया में केवल उनके लंबे सफर ने सबसे अलग नहीं बनाया, बल्कि हर दौर में खुद को समय के अनुसार नए सिरे से गढ़ लेने की उनकी अद्भुत क्षमता ने भी उन्हें अलग पहचान दिलाई। श्वेत–श्याम सिनेमा से लेकर वैश्विक मंचों तक, ग्रामोफोन रिकॉर्ड से लेकर 'स्ट्रीमिंग' के दौर तक, उन्होंने अपनी आवाज को समय के अनुसार लगातार नया रूप दिया और इसी वजह से हर पीढ़ी में प्रासंगिक बनी रहीं। मीना कुमारी और मधुबाला से लेकर काजोल और उर्मिला मातोंडकर तक परदे की नायिकाएं बदलती रहीं, लेकिन आशा एक ऐसी कड़ी बनी रहीं, जिसने अतीत को वर्तमान से जोड़े रखा।

साड़ी पहने, माथे पर सलीके से सजी बिंदी और करीने से बंधे बाल– आशा भोसले की यही छवि उनके प्रशंसकों के दिलों में सदा जीवित रहेगी। उन्होंने करीब 12,000 गीत गाए, जिनमें से ज्यादातर हिंदी में थे, लेकिन उन्होंने इसके अलावा लगभग 20 अन्य भाषाओं में भी गीतों को आवाज दी। यह एक ऐसा विराट सफर है, जिसे एक साथ समेट पाना आसान नहीं। आशा और उनके भाई–बहनों– लता, उषा, मीना और हृदयनाथ – के लिए संगीत केवल पेशा नहीं, शायद नियति भी था। जहां लता और उषा गायिका थीं, वहीं मीना और हृदयनाथ संगीतकार हैं।

वर्ष 1933 में जन्मीं आशा को उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर ने अपने अन्य बच्चों की तरह शास्त्रीय संगीत की शिक्षा दी। उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद मात्र 10 वर्ष की उम्र में अपना पहला गीत रिकॉर्ड किया। यह 1943 में फिल्म 'माझा बाल' के लिए गाया मराठी गीत 'चला चला नव बाला' था। उन्होंने 1948 में 'चुनरिया' के लिए 'सावन आया' गीत के साथ हिंदी फिल्म गायन के क्षेत्र में कदम रखा। फिल्म जगत में उनके शुरुआती वर्ष संघर्ष भरे रहे। उन्हें शुरुआत में कमतर दर्जे की फिल्मों में गाने के लिए ही चुना जाता था और पहले से ही अपनी मजबूत पहचान बना चुकी लता की छाया से बाहर आना भी उनके लिए चुनौती थी।

लेकिन आशा ने कुछ ऐसा किया, जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। उन्होंने पार्श्वगायिका होने के मायने ही बदल दिए। उन्हें बड़ी सफलता 1950 के दशक में मिली। उन्हें खासकर संगीतकार ओ. पी. नैयर के साथ उनके जोशीले और चुलबुले गीतों ने नयी पहचान दी। उस समय पार्श्वगायन पर शास्त्रीय शुद्धता की ज्यादा छाप थी, लेकिन आशा ने उसमें अदा, शोखी और आधुनिकता का रंग भरा। वह क्लब गीतों, कैबरे गीतों और प्रेम गीतों की आवाज बन गईं। ये ऐसे क्षेत्र थे, जिन्हें अपनाने में अन्य गायक संकोच करते थे। उनके करियर का अगला मोड़ तब आया जब 1960 और 1970 के दशक में आर. डी. बर्मन के साथ उनकी साझेदारी ने हिंदी फिल्म संगीत को नयी दिशा दी। 'पिया तू अब तो आजा' और 'दम मारो दम' जैसे गीतों ने उनकी बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा को सामने रखा। उनकी आवाज में मादकता भी थी, शरारत भी, विद्रोह भी था, प्रेम भी और दर्द भी लेकिन हर बार उसमें भावों की गहराई थी।

आशा ने 'दिल चीज क्या है' जैसी गजलों, शास्त्रीय गीतों, पॉप संगीत के क्षेत्रों के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाई। उन्हें कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, अनेक फिल्मफेयर पुरस्कार, भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वैश्विक संगीत इतिहास में संभवतः सबसे लंबे समय तक सक्रिय रहने वाली गायिकाओं में शामिल आशा का निजी जीवन भी उनके पेशेवर जीवन की तरह साहसी फैसलों से भरा रहा।

चिकबल्लापुर के जैन मिशन अस्पताल के 3 नए ब्लॉक का हुआ उद्घाटन

कानूंगा, सुराणा व मल्होत्रा परिवार हैं नए ब्लॉक्स के प्रायोजक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबल्लापुर। बेंगलूरु के बाहरी इलाके चिकबल्लापुर स्थित जैन मिशन अस्पताल के तीन नए ब्लॉक का लोकार्पण समारोह रविवार को अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न समुदायों के लोग उपस्थित थे। सबसे पहले लोकार्पण कार्यक्रम में अस्पताल के तीनों नए ब्लॉक के मुख्य दानदाता लीलादेवी रणजीतमल कानूंगा, भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा व दुर्गेश प्रदीप मल्होत्रा परिवार ने नए ब्लाक्स का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पहले विभिन्न विधि-विधान सम्पन्न हुए। उद्घाटन के बाद उपस्थित जनों ने व अतिथियों ने नए ब्लाक्स का अवलोकन किया। उद्घाटन के बाद अस्पताल परिसर में लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त लोकायुक्त और सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एन. संतोष हेगड़े, जीतो अपेक्स के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी, सांसद डॉ के. सुधाकर, शंकर कैंसर फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी डॉ. बीएस श्रीनाथ, मुख्य संरक्षक दिलीप सुराणा, जैन मिशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेशकुमार जैन, सचिव उत्तमचंद कोठारी आदि मंचासीन थे। सबसे पहले नवकार मंत्र गा कर व अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम कीशुरुआत की। अध्यक्ष सुरेशकुमार जैन ने सभी का स्वागत करते हुए जैन मिशन ट्रस्ट अस्पताल को चिकित्सा का मंदिर बताया।

चिकित्सा, आशा व मानवता का मंदिर है जैन मिशन अस्पताल : डॉ सोलंकी

जैन मिशन अस्पताल के चेयरमैन डॉ. नरपत सोलंकी ने अस्पताल के सपने से लेकर उसके धरातल तक वास्तविक रूप लेने की यात्रा को पीपीटी के माध्यम से बताया। उन्होंने कहा कि जैन मिशन अस्पताल चिकित्सा, आशा व मानवता का मंदिर है जहां हम सभी अपने भगवान रूपी मरीजों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने इस अस्पताल में सहयोग देने वाले स्व. घेवरचन्दजी सुराणा, उत्तमचन्द कोठारी, डॉ सुधाकर, रोटरी क्लब व अपने हर सहयोगी को याद करते हुए उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। डॉ सोलंकी ने प्रोजेक्ट दृष्टि सेवा योजना से शुरु की सेवा यात्रा को सिलसिलेवार तरीके से बताया तथा जानकारी दी कि आज तक उन्होंने 30 लाख लोगों की आंखों की जांच, 6 हजार से अधिक नेत्र जांच शिविर, 3 लाख से अधिक नेत्र ऑपरेशन व 1 लाख निशुल्क चश्में वितरित किए हैं। उन्होंने बताया कि 100 बेड(72 बेड वर्तमान में संचालित) के जैन मिशन अस्पताल में 14 से अधिक ओपीडी वार्ड, डायलेसिस सेन्टर व अनेक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल में मरीजों की संख्या के कारण नए तीन ब्लाक की आवश्यकता महसूस हुई और दानदाताओं के सहयोग से आज तीन नए ब्लॉक का उद्घाटन हुआ जिससे हमें मरीजों की सेवा करने का और मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस जैन मिशन अस्पताल में शुभारंभ से लेकर अब तक 5 वर्ष की यात्रा में अस्पताल ने करीब 15करोड़ रुपए मूल्य के चिकित्सा संबंधी मानवसेवा के कार्य किए हैं।

समाज विकास के लिए संतोष और मानवता के गुण होना जरूरी : संतोष हेगड़े

सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एन. संतोष हेगड़े ने कहा कि हमारे देश में विद्या व स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी सरकार की है फिर भी जैन मिशन अस्पताल ने जो सेवाएं दी हैं वह अनुकरणीय है, माना जाए तो जैन मिशन अस्पताल सरकार से भी ज्यादा काम कर रहा है। हेगड़े ने जैन समाज की मानवसेवा भावना की अनुमोदना करते हुए कहा कि जैन समुदाय समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी मानता है और उसका जीवंत उदाहरण है यह जैन मिशन अस्पताल। उन्होंने कहा कि समाज में ईमानदारी को महत्त्व मिलना चाहिए पर आज समाज में दुर्भावना ज्यादा और शांति और सौहार्द कम हो रहा है, परंतु आज इस अस्पताल की यात्रा में जुड़े लोगों की उदार भावना के बारे में जानकार लगता है कि समाज में ऐसे उदार लोगों की भावनाओं को बल मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए समाज के लोगों में तृप्ति(संतोष) और मानवता के गुण होना चाहिए क्योंकि संतोष रहने से मनुष्य के मन में गलत भावना नहीं आती और गलत भावना नहीं आती तो मानवता का संचार व प्रचार होता है। जैन मिशन अस्पताल उसी मानवता का मंदिर है। उन्होंने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज अभिभावकों की प्रथम जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों में संतोष व मानवता के संस्कारों का बीजारोपण करें। अस्पताल के सचिव उत्तमचन्द कोठारी ने अस्पताल की जानकारी देते हुए शिविरों के बारे में बताया।

श्रीमंत वही जो निरोगी व स्वस्थ हो : सांसद के. सुधाकर

सांसद डॉ के. सुधाकर ने अपने भाषण में कहा कि इस दुनिया में पैसा तो बहुत लोग कमाते हैं परन्तु पैसे का सदुपयोग कैसे करना चाहिए, यह जैन समुदाय से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पैसा व नाम कमाने के साथ जैन समाज के लोग मानवसेवा में भी हमेशा अग्रणी रहते हैं। उन्होंने कहा कि जैन समाज के सहयोग से मानवसेवा का मंदिर 'जैन मिशन अस्पताल' इसका उत्तम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि श्रीमंत वही होता है जो स्वस्थ या निरोगी हो। डॉ सुधाकर ने उनके विधायक काल में चिकबल्लापुर में विभिन्न विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि जैन मिशन अस्पताल उनके क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा कार्य कर रहा है और उनका प्रयास रहेगा की सांसद निधि के साथ साथ विभिन्न सीएसआर योजना के तहत अस्पताल को आर्थिक सहयोग करवाएं। अंत में उन्होंने कहा कि जैन समाज देश की सम्पति के समान है। शंकर कैंसर फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी डॉ. बीएस श्रीनाथ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जैन मिशन अस्पताल चिकबल्लापुर क्षेत्र के लिए वरदान है। उन्होंने डॉ नरपत सोलंकी द्वारा चिकबल्लापुर अस्पताल में कैंसर वार्ड की स्थापना करने के निवेदन को दोहराते हुए कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि कैंसर जांच व चिकित्सा के लिए फाउंडेशन के कुछ डाक्टरों को वे सप्ताह में एक या दो बार जैन मिशन अस्पताल भेजने की व्यवस्था करेंगे ताकि क्षेत्र के कैंसर पीड़ितों की सेवा हो सके। इसके साथ डॉ श्रीनाथ ने कहा कि वे एक या दो नर्स को विशेष प्रशिक्षण देंगे ताकि चिकित्सा के लिए अस्पताल आने वाले जैन साधु साध्वियों को उनके नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा सकें, साथ ही एक रुम जैन साधु साध्वियों की सेवा के लिए आरक्षित रखा जाएं। जीतो अपेक्स के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी ने कहा कि जैन लोग हमेशा दूसरों के लिए जीते है। समाजसेवा के कार्य उनके जीवन का रुटींन वर्क है। उन्होंने जैन मिशन अस्पताल में सहयोग देने की भावना व्यक्त की। इस मौके पर कोठारी ने जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन की नई योजना 'रत्नकुक्षी परिवार योजना' के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत जिस परिवार से कोई भी सदस्य साधु या साध्वी बना हो ऐसे परिवारों के रखरखाव अर्थात शिक्षा, चिकित्सा, आवास व अन्य खर्च की जिम्मेदारी जीतो उठाएगा।

ट्रस्ट से जुड़े अनेक ट्रस्टी, लिए विभिन्न लाभ

कार्यक्रम के बीच में अतिथियों ने कानूंगा, सुराणा व मल्होत्रा तीनों नए ब्लॉक का बटन दबाकर डिजिटल रूप में स्क्रीन पर अनावरण किया तथा सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं दी। अस्पताल के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र मरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें जैन मिशन अस्पताल जैसे सेवाभावी प्रकल्पों में सहयोग देने के लिए आगे आना चाहिए। सहसचिव मनीष जैन ने संचालन करते हुए जैन मिशन अस्पताल में विभिन्न ओपीडी वार्ड व अन्य सेवाओं के लाभार्थी व ट्रस्टी बनने के इच्छुक लोगों के नामों की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों, ब्लॉक निर्माण लाभार्थियों व विशेष सेवा सहयोग देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। जैन मिशन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गुलाब पगारिया, उपाध्यक्ष लक्ष्मीचंद भंडारी सहित पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली।

साधु-संत संसार को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए विचरण करते हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जीवन की शांति और उन्नति के लिए यह जरूरी है कि गृहस्थ अच्छे कार्यों में अपने मन को लगाएं लेकिन साधु-संत अपने किसी एक स्थान या क्षेत्र में बस न जाएं। गृहस्थ का किसी सत्कार्य में मन न लगना और साधु-संतों का एक ही जगह बस जाना, दोनों ही स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण होती हैं, इसलिए यह कहा गया है कि बहता पानी निर्मल, पड़ा सो गंदा होय, साधु तो चलता भला, दाग न लागे कोय।

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली से गदग, कोप्पल, होसपेट, बल्लारी, कंपली, गंगावती, सिंधनूर और रायचूर होते हुए हैदराबाद के लिए चार माह के चातुर्मास हेतु और पांच सौ पचास किलोमीटर की पदयात्रा-प्रवास पर रवाना होते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि गृहस्थ का मन और संत के पैर कहीं नहीं टिकते। गृहस्थ का मन सदैव अलग-अलग विषयों और कार्यों में भटकता रहता है, जबकि साधु-संतों का जीवन एक गांव से दूसरे गांव गुजरता रहता है।

जीवन की शांति और उन्नति के लिए यह जरूरी है कि गृहस्थ अच्छे कार्यों में अपने मन को लगाएं लेकिन साधु-संत अपने किसी एक स्थान या क्षेत्र में बस न जाएं। गृहस्थ का किसी सत्कार्य में मन न लगना और साधु-संतों का एक ही जगह बस जाना, दोनों ही स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण होती हैं, इसलिए यह कहा गया है कि बहता पानी निर्मल, पड़ा सो गंदा होय, साधु तो चलता भला, दाग न लागे कोय। रविवार को केशवापुर स्थित वासुपूज्य नूतन भवन में संतों को विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। ङ्कअपना इक्कीस दिन का हुब्बल्ली का यशस्वी प्रवास पूर्ण कर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी अपने वरिष्ठ शिष्य गणि पद्मविमलसागरजी एवं सहवर्ती श्रमणजनों के साथ रेलवे ऑफिसर कॉलोनी पहुंचे। वहां रेलवे अधिकारी अजय राखेचा व उनके मित्रों ने संतों का भावभीना स्वागत किया। वहां से जैनाचार्य नालंदा पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि महावीरस्वामी के उपदेश संजीवनी दिव्यवाणी हैं। जो निर्मल भावों से ज्ञान व एकाग्रता पूर्वक इसका श्रवण करता है, वह निहाल हो जाता है। दो रोटियों और दो कपड़ों के मोहताज साधु-संत कुछ लेने नहीं, बल्कि संसार को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए विचरण करते हैं और उपदेश देते हैं। नालंदा कॉलेज में हुब्बल्ली के अलावा बल्लारी, हिरियूर, चलकेरे, कोप्पल, गदग, होसूर, दावणगेरे, बेंगलूरु आदि अनेक क्षेत्रों के सैकड़ों श्रद्धालु जैनाचार्य के दर्शनार्थ पहुंचे।

ब्यावर संघ के सदस्यों ने मुमुक्षु पुंगलिया का किया सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ के सदस्यों ने शनिवार को भंवरलाल जयप्रकाश मकाना के निवास पर मुमुक्षु संजय पुंगलिया का सम्मान किया। संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, चेयरमैन महेन्द्र भन्साली, उपाध्यक्ष जयप्रकाश मकाना, महामंत्री रूपचंद कुमट, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री विनय राठौड़, वीरेन्द्र बोहरा, संगठन मंत्री किशन सोलीवाल, महावीर तातेड़, युवा उपाध्यक्ष नरेश बोहरा, महिला विंग की चन्द्रकला डाकलिया, मोनिका कुमट, संगीता पारख ने मुमुक्षु का सम्मान किया। इसके साथ ही हैदराबाद जयमल जैन संघ के पदाधिकारियों ने भी मुमुक्षु का सम्मान किया। मुमुक्षु संजय पुंगलिया की जैन भागवती दीक्षा आगामी 29 अप्रैल को बेंगलूरु में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी, पदमचंद्रजी की निश्रा में होगी।

वासुपूज्य नवयुवक मंडल की बैठक में गौसेवा कार्य पर हुई चर्चा

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के वासुपूज्य नवयुवक मंडल दादावाड़ी के

सदस्यों ने रविवार को उदबूर स्थित मैसूरु पिंजरापोल सोसाइटी में एक बैठक का आयोजन किया जिसमें गौशाला में संरक्षित गायों की सेवा का कार्य करने पर विचार विमर्श किया गया तथा अनेक निर्णय लिए गए। बैठक के पश्चात सदस्यों ने गायों को चारा, गुड़, केले आदि खिलाए। इस बैठक में वासुपूज्य नवयुवक मंडल दादावाड़ी अग्रहार के ललित गुलेच्छा, उत्तम गुलेच्छा, चेतन सुराणा, रितेश, किरण, भावेश जैन, दीपक जैन आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

फूल पालकी उत्सव के मोगरे के फूलों की सुगंध से महका अलसूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अलसूर क्षेत्र के प्राचीन ऐतिहासिक देवालय सोमेश्वर मंदिर एवं नगर देवी कैंपम्मा मंदिर के तत्वावधान में प्रसिद्ध फूल पालकी उत्सव का आयोजन हुआ। स्थानीय भाषा में 'पू-पल्लक्की' नाम से मशहूर धार्मिक उत्सव में सोमेश्वर मंदिर एवं कैंपम्मा मंदिर के रथों के अलावा विघ्नहर्ता विनायक जी की पालकी के नेतृत्व में सौ से अधिक मंदिरों की पालकियां अलसूर क्षेत्र की परिक्रमा करते हैं।

प्रत्येक रथ को विशेषतः मोगरों के फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। इस उत्सव को देखने के लिए हजारों की संख्या में भक्त आए और शोभायात्रा के दौरान रथों की जगह जगह पर आरती पूजा की गई। शनिवार देर रात से प्रारंभ रथ यात्रा रविवार दोपहर तक चली और पूरे अलसूर क्षेत्र में मेले जैसा उत्सव बना रहा। इस विराट उत्सव में दूर दूर से व्यापारियों ने आकर अपने विशेष उत्पादों की दुकानें लगाई और आगंतुक लोगों ने भी जमकर खरीददारी की। भक्तों की सुविधा के लिए स्थानीय जनों के अलावा जैन युवक संघ अलसूर, स्पोर्टन्स क्रिकेट क्लब व अनेक प्रवासी जनों ने भी जगह जगह पर शीतल पेय, भोजन, कुल्फी , अल्पाहार आदि के स्टाल लगा कर सेवा दी।

संत दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साध्वी पावनप्रभाजी बेंगलूरु के गांधीनगर में चातुर्मास करने के लिए बेंगलूरु की ओर विहार करते हुए रविवार को तुबिनकेरे से होते हुए मंड्या के तेरापंथ भवन पहुंचीं। इस मौके पर हनुमंतनगर सभा के अध्यक्ष गौतम दक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने साध्वीश्री के साथ विहार कर सेवा की तथा हनुमंतनगर में पधारने एवं ज्यादा से ज्यादा दिन विराजने का निवेदन किया। साध्वीश्री ने हनुमंतनगर में आने का आश्वासन दिया एवं मंगलपाठ का श्रवण कराया। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, मंत्री हेमराज मांडोत, कार्यकारिणी सदस्य धवल बोल्या, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष कमलेश झाबक, नवरतन बोल्या, राकेश बोल्या आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**